सोमवार
27 मई 2024

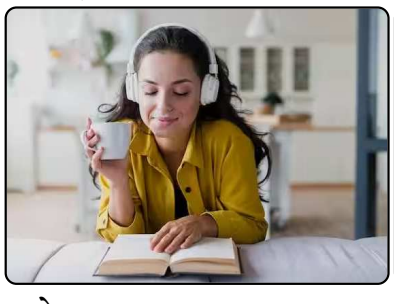

पृष्ठ 4

म्यूजिक को हमेशा स्टडी टूल की...

पृष्ठ 5

दीपिका पादुकोण के नाम एक और...

● देहरादून
● वर्ष 32
● अंक 116
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

लोहा गरम भले ही हो जाए पर हथौड़ा तो ठंडा रह कर ही काम कर सकता है।
– सरदार पटेल

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

आर.एन.आई.- 59626/94

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

मुख्यमंत्री ने चारधाम यात्रा रजिस्ट्रेशन कार्यालय का किया स्थलीय निरीक्षण

❑दिये मूलभूत सुविधाओं को सुदृढ़ बनाने के निर्देश

हमारे संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज ऋषिकेश पहुंचकर चारधाम यात्रा रजिस्ट्रेशन कार्यालय एवं श्रद्धालुओं के लिए की गई व्यवस्थाओं का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने देश के विभिन्न क्षेत्रों से आये श्रद्धालुओं से बातचीत कर उनसे व्यवस्थाओं का फीडबैक भी लिया।

मुख्यमंत्री ने निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को आवश्यक मूलभूत सुविधाओं समेत पेयजल, भोजन, स्वच्छता एवं स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ बनाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने श्रद्धालुओं की सुविधा के

लिए बनाए गए विश्राम स्थल, स्वास्थ्य केन्द्र एवं यात्रा नियंत्रण कक्ष में सभी सुविधाओं का भी जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को यात्रियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न होने एवं व्यवस्थित यात्रा के लिए आपसी सामंजस्य से कार्य करने के निर्देश दिये। मुख्यमंत्री ने कहा कि विभिन्न क्षेत्रों से उत्तराखण्ड आने वाले श्रद्धालुओं की सुगम, सुरक्षित एवं सुविधाजनक चारधाम यात्रा के लिए राज्य सरकार लगातार कार्य कर रही है। इस अवसर पर आयुक्त गढ़वाल विनय शंकर पाण्डेय, आईजी के.एस. नगन्याल एवं जिला प्रशासन के अधिकारी उपस्थित थे।

विरोध के बावजूद हटा मलिन बस्तियों का अतिक्रमण

हमारे संवाददाता

देहरादून। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) के आदेश पर मलिन बस्तियों को लेकर की जाने वाली कार्यवाही आज शुरू हो गयी है। हालांकि इस दौरान रिस्पना नदी के किनारे हुए अतिक्रमण पर लोगों का थोड़ा बहुत विरोध देखने को मिली लेकिन दल बल के साथ पहुंची प्रशासन की टीमों के आगे किसी की कुछ नही चल सकी और बुल्डोजर अपना काम करता चला गया।

बता दें कि एनजीटी के आदेश पर नगर निगम ने सर्वे कर रिस्पना नदी के किनारे बसी 27 अवैध बस्तियों को चिन्हित

किया था। जिनमें नगर निगम की भूमि पर 2016 के बाद के 89 अतिक्रमण पाये गये थे। जिनमें से कुछ लोगों द्वारा 2016 से पहले के कागजात दिखाये गये थे जिनकी संख्या 15 थी बाकी बचे 74 अतिक्रमण को हटाने के लिए नगर निगम द्वारा अपनी तैयारियां पूरी कर ली गयी थी। आज सुबह नगर निगम व प्रशासन की टीमें पुलिस बल की मौजूदगी में रिस्पना नदी क्षेत्रांतर्गत चन्दर रोड सहित अन्य स्थानों पर पहुंची और अतिक्रमण हटाना शुरू कर दिया गया। हालांकि इस दौरान अतिक्रमणकारियों द्वारा थोड़ा बहुत विरोध जताया गया ▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

पूर्व मेयर व एआईएमआईएम नेता को मारी 3 गोलियां

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव 2024 की सरगर्मियों के बीच असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम के पूर्व मेयर पर जानलेवा हमला हुआ है। पूर्व मेयर और एआईएमआईएम के महानगर अध्यक्ष अब्दुल मलिक यूनुस ईसा पर बीती रात फायरिंग की गई। उन्हें 3 गोलियां मारी गई हैं। नासिक के एक अस्पताल में उनका उपचार चल रहा है। अब हमले का सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया। हमला देर रात करीब सवा एक बजे किया गया, जब मलिक मालेगांव चौक बाजार में अपने दोस्तों के साथ बैठे चाय पी रहे थे। उसी वक्त अचानक एक बाइक पर 3 लोग आए और अब्दुल पर फायरिंग कर दी। एक गोली अब्दुल की छाती के पास लगी। दूसरी पैर में लगी और तीसरी उन्हें छू कर निकल गई। दोस्तों ने आरोपियों का पीछा किया, लेकिन वे फरार हो गए। पुलिस को हमले की शिकायत दी गई है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, अब्दुल शहर के मेयर रह चुके हैं और इलाके में उनका अच्छा खासा प्रभाव है। वे एआईएमआईएम की शहरी इकाई के अध्यक्ष भी हैं। डॉक्टरों के अनुसार, 3 गोलियां लगने से मलिक की छाती में नीचे बाईं ओर, बाईं जांघ और दाहिने हाथ पर जख्म हुए हैं। मलिक को घायल अवस्था में पहले मुंबई आगरा हाईवे पर बने एक अस्पताल में ले जाया गया था। हालत नाजुक देखते हुए उन्हें नासिक के एक निजी अस्पताल में शिफ्ट कर दिया गया।

बंगाल में चक्रवाती तूफान 'रेमल' ने कई जिलों में मचाई भारी तबाही

कोलकाता। रेमल चक्रवात के बंगाल की खाड़ी के बाद पश्चिम बंगाल के कई जिलों और हिस्सों तक पहुंचा। इसके आने से राज्य में 3 लोग बुरी तरह घायल हुए और इसके कारण ट्राफिक मूवमेंट भी थम गई। साथ ही कोलकाता में कई जगह पेड़ों के गिरने से सड़कें भी जाम हो गईं और कई जगह इसका प्रभाव दिखा। कोलकाता में लगभग 68 पेड़ और पास के साल्ट लेक और राजारहाट क्षेत्र में 75 जगह अन्य पेड़ उखड़ने की खबर सामने आई गए। दक्षिणी एवेन्यू, लेक प्लेस, चेतला, डीएल खान रोड, डफरिन रोड, बालीगंज रोड, न्यू अलीपुर, बेहाला, जादवपुर, गोलपार्क, हतीबागान, जगत मुखर्जी पार्क और कॉलेज स्ट्रीट के साथ-साथ शहर के आसपास से पेड़ों के उखड़ने की खबरें आई हैं।

कई जगह पानी भरने से ट्राफिक के रूट को भी बदलना पड़ा, जिसमें दक्षिणी एवेन्यू, लेक व्यू रोड, प्राताड़तिया रोड, टॉलीगंज फारी, अलीपुर और सेंट्रल एवेन्यू शामिल हैं। पार्क स्ट्रीट और एस्प्लेनेड स्टेशनों पर पटरियों पर पानी भर जाने के कारण गिरीश पार्क और महानायक उत्तम कुमार स्टेशनों के बीच कोलकाता मेट्रो सेवाएं बाधित हो गई। हालांकि, मेट्रो सेवाएं दक्षिणेश्वर से गिरीश पार्क तक और कबी सुभाष से महानायक उत्तम कुमार तक सामान्य रूप से चलती रहती हैं। यहां तक कि, पूर्वी रेलवे के अंतर्गत आने वाले सियालदह दक्षिण सेक्शन में सुबह 9 बजे से ट्रेनों की आवाजाही शुरू हुई। चक्रवात के कारण लगभग 21 घंटे तक निलंबित रहने के बाद कोलकाता हवाई अड्डे पर उड़ान सेवाएं भी सोमवार सुबह फिर से शुरू हो गई। भारतीय हवाईअड्डा प्राधिकरण (एएआई) के एक अधिकारी के अनुसार, इंडिगो की कोलकाता-पोर्ट ब्लेयर की उड़ान सुबह 08:59 बजे प्रस्थान करने वाला पहला विमान था, जबकि कोलकाता में उतरने वाला पहला विमान सुबह 09:50 बजे गुवाहाटी से स्पाइसजेट की उड़ान रही। कोलकाता से आखिरी फ्लाइट रविवार को दोपहर 12:16 बजे रवाना हुई। आईएमडी ने अभी दीघा, काकद्वीप और जयनगर में तेज हवा और मूसलाधार बारिश होने का अनुमान लगाया है।

दून वैली मेल

संपादकीय

महावतार का चुनावी मुजरा

वर्तमान लोकसभा चुनाव के अंतिम दौर में पहुंचते-पहुंचते चुनावी भाषणों में टीका टिप्पणियों की बात तो समझ में आती है लेकिन इसके बावजूद भी आम आदमी अपने जन प्रतिनिधियों से मर्यादित भाषा की अपेक्षा जरूर रखता है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि 2014 के आम चुनाव के बाद देश की राजनीति के चेहरे में भारी बदलाव आया है। प्रधानमंत्री की कुर्सी पर बैठे किसी व्यक्ति को अति विशिष्ट श्रेणी में रखा जाता है। इससे पूर्व देश के लोगों ने शायद कभी किसी प्रधानमंत्री को न तो हर छोटे-बड़े चुनाव में वर्तमान प्रधानमंत्री की तरह चुनाव प्रचार करते देखा था और न सार्वजनिक मंचों से उस तरह की भाषा शैली का इस्तेमाल अपने भाषणों में करते देखा था जैसा कि प्रधानमंत्री द्वारा इस चुनाव में किया जा रहा है। उनके द्वारा इंडिया गठबंधन के नेताओं द्वारा वोट के लिए जिहादियों की गुलामी करने की बात करते हुए कहा है कि वह उनकी गुलामी करें तो करें चाहे तो उनके लिए मुजरा करें लेकिन वह अनुसूचित और अन्य पिछड़ा वर्ग को आरक्षण से वंचित नहीं होने देंगे। सवाल यह है की मुजरा क्या होता है और मुजरा कौन करता है क्या प्रधानमंत्री को इतना भी पता नहीं है। इस चुनाव में प्रचार करने वाली महिलाएं अगर पीएम के इस बयान पर आग बबूला है तो यह स्वाभाविक ही है। एक तरफ प्रधानमंत्री स्वयं की उत्पत्ति जैविक कारणों से न होने की बात करते हुए कहते हैं कि उन्हें तो परमात्मा ने भेजा है और कुछ खास प्रयोजन के कारण भेजा है। अगर उनकी बात मान भी ली जाए कि वह ईश्वर के अवतार हैं तब भी क्या किसी महावतार द्वारा इस तरह की भाषा का प्रयोग महिलाओं के लिए करना चाहिए। स्वयं कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी का उनके इस बयान के बारे में कहना है कि देश के लोगों के सामने उनका असली चेहरा आ गया है। बाकी तमाम महिलाओं और नेताओं द्वारा भी पीएम के इस बयान की निंदा करते हुए कहा जा रहा है कि चुनावी हार के डर से पीएम इस कदर बौखला गए हैं कि उन्हें क्या कहना चाहिए इसका भी उन्हें बोध नहीं रह गया है यह उनकी हताशा का ही परिणाम है। अभी उन्होंने अपने भाषणों में कांग्रेसी तुम्हारे भैंस चुरा ले जाएंगे, मंगलसूत्र चुरा ले जाएंगे, तुम्हारा आरक्षण छीनकर उन्हें दे देंगे जो ज्यादा बच्चे पैदा करते हैं तथा मुसलमानों को घुसपैठिये जैसे शब्द कहे थे। अब वह कह रहे हैं कि हमने तुम्हें जो नल से जल दिया है उसकी टोटी खोल ले जाएंगे तुम्हें जो गैस सिलेंडर दिया है उसे उठा ले जाएंगे तुम्हारा बिजली कनेक्शन काट ले जाएंगे। प्रधानमंत्री के इन बयानों से लोग भी हैरान है। विपक्षी नेता तो यहां तक कह रहे हैं कि देश में पीएम पद की गरिमा का भी उन्हें कोई ख्याल नहीं है न देश की उस छवि का जिसको विश्व गुरू बनाने की बात की जाती है। राहुल गांधी ने अपने चुनावी भाषणों में मोदी सरनेम पर की गयी टिप्पणी के लिए उनकी संसद सदस्यता रद्द हो जाती है घर छीन लिया जाता है लेकिन प्रधानमंत्री अगर अपने चुनावी भाषणों में कुछ भी कह देते हैं तो न चुनाव आयोग कोई कार्यवाही करता है न कोर्ट। इस चुनाव के नतीजे चाहे जो भी रहे और सत्ता किसी के भी पास रहे लेकिन इस 2024 के चुनाव को आचार संहिता और भाषाई मर्यादा के उल्लघंन के लिए भी जाना जाएगा यह तय है।

निर्माणाधीन मकान से सात पेटी टाईल चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने निर्माणधीन मकान से सात पेटी टाईल चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार उन्नती विहार केदारपुरम निवासी देवेन्द्र दत्त ने नेहरू कालोनी थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके मकान का निर्माण हो रहा है। आज जब वह वहां पर पहुंचा तो उसने देखा कि निर्माणधीन मकान से सात पेटी टाईल की गायब थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

यूनियन व कैनरा बैंक से मिले दस नकली नोट, मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया व कैनरा बैंक से 2000 रूपये के दस नकली नोट मिलने पर रिजर्व बैंक के प्रबन्धक ने मुकदमा दर्ज कराया। आज यहां प्रबंधक दावा अनुभाग भारतीय रिजर्व बैंक निर्गम विभाग आईपीएस गहलौत ने डालनवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि रिजर्व बैंक में दस नोट 2000 रूपये के नकली पाये गये। जब उसकी जांच की गयी तो पता चला कि इनमें से पांच नोट यूनियन बैंक ऑफ इंडिया से आये है तथा पांच नोट कैनरा बैक की दून शाखा से भेजे गये हैं। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

इममग्ने चमसं मा वि जिह्वर: प्रियो देवानामुत सोम्यानाम्।
एष यश्चमसो देवपानस्तस्मिन्देवा अमृता मादयन्ते।।
(ऋग्वेद १०-१६-८)

शरीर का उद्देश्य मुक्ति की प्राप्ति है। इस शरीर को इसके उद्देश्य से कभी ना भटकनें दें। यह शरीर इंद्रियों, आदि का वास है। इस शरीर के माध्यम से ही आत्मा सुख और दुख की अनुभूति करती है। विद्वान मनुष्य इस शरीर को अमृत्व प्राप्त करने का साधन बनाते हैं।

विकास मेरे शहर का !

पिछली स्याही के आगे का हिस्सा (भाग छठवां जारी)

●नरेन्द्र कठैत

एजेंसी से थोड़ा ऊपर कदम भर दूरी पर ही 'साप्ताहिक गढ़वाल मंडल' के सम्पादक,प्रकाशक एवं मुद्रक परम विद्धान श्री वाचस्पति गैरोला जी की प्रेस तथा प्रतिष्ठान था। उनके देहावसान के बाद उनके ज्येष्ठ पुत्र ने लम्बे समय तक ये अखबार चलाया। लेकिन उनके ज्येष्ठ पुत्र के असामयिक निधन के बाद यह अखबार ही नहीं अपितु प्रेस भी बंद हो गया। वाचस्पति जी के मंझले पुत्र डा. रमेश चन्द्र गैरोला मेरे मित्र हैं। एक दिन मैंने उनसे कहा- 'भाई अखबार और गैरोला जी की रचनाओं का डॉक्यूमेंटेशन करते हैं।' उन्होंने कहा- 'यार कुछ बचा रहता तो डॉक्यूमेंटेशन करते! दुर्भाग्य यह रहा कि जो कोई भी उनकी रचना, पुस्तक, अखबार शोध प्रबन्ध इत्यादि के लिए ले गया - उसने दुबारा नहीं लौटाया। हमारे पास तो कुछ भी नहीं है! ' 'साप्ताहिक गढ़वाल मंडल' अखबार का बंद होना भी पौड़ी के 'विकास' के लिए एक बड़ा झटका रहा।

एक बार दिवंगत साहित्यकार भगवती प्रसाद नौटियाल जी ने ही कहा था कि उनके समय में एजेंसी में एक पानी का सोता था। और एजेंसी से ऊपर घना जंगल था। घने जंगल को तो 'विकास' ने और ऊपर ठेल दिया है। लेकिन पिछले कुछेक दशकों पूर्व सड़कों के किनारे कुछ विशाल दरख्तों को अवश्य देखा था। एक ऐसा ही विशाल सुराही का दरख्त सड़क किनारे सिविल लाइन में भी था। जिसके नीचे वर्षों तक विशम्भर भाई इसी शहर के 'विकास' के जूते सिलता रहा। आज न वहां विशम्भर भाई है; और न वो- विशाल दरख्त ही है वहां खड़ा।

सिविल लाइन में ही लाश घर के समीप कभी- एक आवास के चारों ओर खड़ी एक चाहर दिवारी को देखा था। सुना है- उस चाहर दिवारी के बीच में 1902 से पहले का 'कारागार' था। और तब- उसके आसपास का इलाका सुनसान था। आज वह इलाका सुनसान नहीं -वहां भी 'विकास' दिख जाता है।

कुछ लोगों का मानना है 'विकास' की इतनी गति पहाड़ के मुफीद नहीं है। इसी से धारणा बन जाती है कि 'विकास' भला भी है और बुरा भी है। लेकिन कभी-कभी सोचते हैं कि 'विकास' के पास क्या जरा भी समझ नहीं है? या 'विकास' को मालूम नहीं कि उसके घर के हालात या मां-बाप की क्या मजबूरी है? यह घटना भी इस कलमकार ने एक 'विकास' के बाप से ही सुनी है।

दरअसल 'विकास' की बहन की शादी का दिन तय हुआ। और-'विकास' का बाप लड़की की शादी का हिसाब-किताब जोड़ रहा था। राशन पानी, टैंट, हलवाई ये सब हैसियत के हिसाब से तय किया था। लेकिन एक खर्च अनावश्यक सा लग रहा था। वह था-डी. जे. का! लड़की समझदार थी। पिता की लाचारी समझती थी। अत: उसकी सहर्ष सहमति से डी.जे. को फालतू समझकर उसे सूची से हटा दिया गया। लेकिन जैसे ही 'विकास' को पता चला कि डी.जे. नहीं बजेगा- वो अड़ गया। उसने साफ शब्दों में कह दिया- 'अगर डी.जे. नहीं बजेगा तो वह घर से भाग जायेगा!' बाप को झक मारकर डी.जे. बजवाकर रात भर अपने 'विकास' को नचाना पड़ा। शायद इसीलिए कहा गया है कि घर का लाटा(नासमझ) दुनिया को हंसाता है लेकिन घर भर को रुलाता है।

कई लोग कहते हैं कि अंग्रेज न होते तो 'विकास' न होता। हम उनसे ही पूछते हैं-'आज तो अंग्रेज नहीं है तो फिर हमारा ये 'विकास' कैसे हुआ? भले ही हमारे 'विकास' ने हमें कई बार निराश किया। दुनिया ने हमारे विकास को नकारा, नासमझ, कहा। लेकिन हमारा न सही पर हमारा 'विकास' हमारे लिए 'विकास' ही रहा। हमारा 'विकास' न होता तो आज भी हर कोई, कुली बनकर ही -बोझा ढोता ।'

'गढ़वाल स्वीट एवं कॉफी हाउस' के अधिष्ठाता रावत जी कहते हैं कि शहर का 'विकास' हुआ लेकिन 'बिजनेस' नहीं चला। 2008 में ''गढ़वाल स्वीट एवं कॉफी हाउस' को भी यहां से बस अड्डे शिफ्ट करना पड़ा।' 'बिजनेस' नहीं चला इसमें रावत जी का क्या दोष भला! दरअसल 'व्यापार' इस शहर ही नहीं-बल्कि पहाड़ के खून में भी नहीं था।

इसका कारण हमें पं. हरिकृष्ण रतूड़ी जी की पुस्तक 'गढ़वाल का इतिहास' में पढ़ने को मिलता है। रतूड़ी जी ने लिखा है-''यह कह देना अनुचित नहीं कि गढ़वालियों में व्यापार संस्कार अब तक भी नहीं पाए जाते हैं। शहरों में जो कुछ व्यापार बढ़ा चढ़ा है यह सब बाहर से आये लोगों के ही हाथ में पाया जाता है। केवल उन जातियों में जो तिब्बत और गढ़वाल के बीच की घाटियों में रहती हैं. .. प्राचीन प्रथा के अनुसार कुछ तिजारत के संस्कार पाये जाते हैं।...गढ़वाली लोग थोड़ा घी,अन्न,तेल,मिर्च प्रभृति मण्डियों से मंगा कर उसके बदले में नमक,गुड़,कपड़ा अथवा बर्तन ले आये तो वह व्यापार नहीं,केवल अपनी जरूरत पूरी करना है। अथवा कस्बों और चरियों में से नमक,गुड़,तेल और कुछ अन्न प्रभृति सामग्री रख कर कुछ पैसे कमा लिये तो यह एक प्रकार सामान्य आजीविका है, इसका नाम व्यापार नहीं।' वहीं आगे रतूड़ी जी ने ये भी लिखा है कि-'गढ़वाल की जनता व्यापार शिक्षा के प्रकाश से अभी इतनी दूर है कि निश्चयात्मक कहा जा सकता है कि अल्पज्ञता के अन्धकारमय मार्ग को तय करते हुए शताब्दियों में ही उस प्रकाश तक पहुंचने की सम्भावना हो सकती है।'

'विकास' की यह भविष्यवाणी रतूड़ी जी ने मात्र एक शताब्दी भर पूर्व ही की है।

पास खड़े 'विकास' के बाप से मैंने कहा- 'भाई साहब! दरअसल हमारे खून में 'व्यापार' नहीं 'विनिमय' था! 'व्यापार' पहाड़ से बाहर का था। इसलिए वो नहीं चला। 'व्यापार' नहीं चला-इसमें 'विकास' का क्या दोष भला!'

कह नहीं सकता 'विकास' का बाप मेरे इस कथन से कितना संतुष्ट हुआ है। लेकिन देख रहा हूं -वह अपने 'विकास' की गुमशुदगी के गम के आंसू- आज पहली बार बड़े आत्मविश्वास के साथ पोंछ रहा है।

विकास यात्रा जारी है...

साभार: नरेन्द्र कठैत के फेसबुक पेज से

निगम में चुनाव कराये जाने की मांग को लेकर जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

संवाददाता

देहरादून। नगर निगम में चुनाव कराये जाने की मांग को लेकर सफाई कर्मचारी मजदूर यूनियन ने एसडीएम के माध्यम से जिलाधिकारी को ज्ञापन प्रेषित किया।

आज राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी मजदूर यूनियन के राष्ट्रीय महासचिव संगठन एंव नगर अध्यक्ष सोनू खैरवाल के नेतृत्व मे नगर निगम के सफाई कर्मचारियो ने जिलाधिकारी देहरादून को एक ज्ञापन प्रेषित किया गया। ज्ञापन एस डी एम शालनी नेगी को सौपा गया। ज्ञापन मे बताया गया है कि नगर निगम देहरादून मे हर दो वर्ष मे चुनाव कराये जाते रहे है लेकिन चुनाव को लगभग 6 वर्ष हो चुके है चुनाव ना होने से कर्मचारियो का खुला शोषण हो रहा है। इससे ये प्रतित होता है कि कर्मचारियो पर लगातार शोषण हो रहा है। ज्ञापन देने वालो मे यूनियन के राष्ट्रीय महासचिव संगठन चौधरी नरेश वैध, यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष महिपाल सिंह लोहट, प्रदेश प्रभारी मदनलाल ढिगिया, नगर अध्यक्ष सोनू खैरवाल, विनोद कुमार, इन्दर सिंह, सुनील कुमार, सूरज सूद, साहिल, सोमा देवी, सोनू, चन्दर, जगदीश प्रसाद, राजीव राजोरी, दीपक आदि कर्मचारी मौजूद थे।

मोबाइल के बाहर भी हैं वाट्सएप विश्वविद्यालय

अशोक शर्मा

पिछले करीब दस वर्षों से भारत में वाट्सएप यूनिवर्सिटी के तो खूब चर्चे होते आये हैं, लेकिन बहुत कम लोगों को पता था कि इसके समांतर ही देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों के जरिये भी ज्ञानगंगाएं प्रवाहित हो रही है जो युवाओं को उसी तरह से दीक्षित कर रहे हैं जैसे कि वाट्सएप विवि। इसका एक उदाहरण दिल्ली में दिखलाई दिया जब देश की राजधानी से सटे ग्रेटर नोएडा के एक निजी विवि के छात्र-छात्राओं ने कांग्रेस के खिलाफ प्रदर्शन किया। इस विश्वविद्यालय में पल्लवित हो रही प्रतिभाओं के बारे में शायद ही लोगों को पता चल पाता लेकिन एक न्यूज़ चैनल के पत्रकार ने इस प्रदर्शन में शामिल कुछ छात्रों के ज्ञान की जांच कर ली जो विरोध प्रदर्शन करने के लिये कांग्रेस के मुख्यालय की ओर जा रहे थे। आश्चर्य की यह बात सामने आई कि प्रदर्शन कर रहे जा रहे छात्रों में से कोई भी यह नहीं समझा पाया कि वे प्रदर्शन क्यों कर रहे थे। और तो और, उनके हाथों में जो तख्तियां थीं उनका अर्थ बतलाना तो दूर, वे उसे पढ़ तक नहीं पा रहे थे।

जब पत्रकार ने युवाओं के हाथों में लगी तख्तियों पर सवाल करने शुरू किये तो पता चला कि उन्हें पता तक नहीं था कि किन मुद्दों को लेकर वे प्रदर्शन कर रहे हैं, उन्हें केवल यह पता था कि वे कांग्रेस के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं और भाजपा के

समर्थन में हैं। छात्र-छात्राओं के हाथों में जो तख्तियां थीं उनमें लिखा था- पहले लेंगे आपका वोट फिर ले लेंगे मंगलसूत्र और नोट, मां-बहनों के गहनों पर नज़र न गड़ाओ, 70 सालों में नहीं दी दीया-बत्ती अब छीन लेंगे आधी सम्पत्ति, नो प्लेस फॉर अर्बन नक्सल आदि। छात्र-छात्राएं विवादित इनहेरिटेंस टैक्स या भाजपा के कथित विकसित भारत की अवधारणा तथा वास्तविकता के बारे में कुछ भी बतला नहीं पा रहे थे। यहां तक कि कांग्रेस के जिस घोषणापत्र का वे विरोध कर रहे थे, उसे किसी ने पढ़ा तक नहीं था। जाहिर है कि वे उसके बारे में वही सब कुछ कह रहे थे जो उन्हें बताया गया था या जो वाट्सएप विवि के माध्यम से उनके मोबाइलों तक पहुंच रहा है।

छात्र जो तख्तियां हाथों में लिये हुए थे, उन पर लगभग वे ही नारे लिये हुए थे जो भाजपा के होते हैं। इनमें कांग्रेस व इंडिया गठबन्धन की सरकार बनने पर लोगों का सोना और मंगलसूत्र छीन लेने की बात लिखी गयी थी। इस पर जब रिपोर्टर ने प्रश्न किये तो छात्र विषय से पूर्णतः अनभिज्ञ साबित हुए। साफ था कि उनके हाथों में ये तख्तियां पकड़ाई गयी थीं। अब यह शोध का विषय हो सकता है कि आखिर उन्हें ये नारे लिखकर किसने दिये और छात्रों से इस प्रकार का प्रदर्शन करवाने का औचित्य क्या था। फिर, क्या छात्रों की खुद की समझ इतनी भी नहीं है कि वे किसी के उकसाने पर या कहने पर ऐसा प्रदर्शन करने चले आये। निजी यूनिवर्सिटी में फीस, अधोसंरचना एवं सुविधाओं को देखें तो पता चलता है कि उसमें अच्छे-खासे खाते-पीते लोगों के बच्चे ही पढ़ सकते हैं। अगर ऐसे शिक्षण संस्थान में पढ़ने वालों की राजनैतिक समझ ऐसी हो तो अर्द्ध शिक्षित युवाओं को बहका पाना कितना आसान है, यह भी इस प्रदर्शन को देखकर समझा जा सकता है। पिछले 10 वर्षों से नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में चल रही केन्द्र सरकार के दौरान युवाओं व छात्रों का जिस प्रकार से ब्रेनवाश हुआ है उसका परिणाम किस तरह की युवा पीढ़ी को पैदा कर सकता है- यह भी इस वीडियो को देखकर समझा जा सकता है। भाजपा व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा आईटी के जरिये जिस अज्ञानता का प्रसार किया गया है उसका यह साक्षात उदाहरण कहा जा सकता है। यह वीडियो अब खूब वायरल हो रहा है।

यही युवा विद्यार्थी वर्ग भाजपा-संघ का कोर वोटर है। मोदी की लोकप्रियता का आधार किस प्रकार की घृणा और विवेकहीनता पर टिकी है- यह भी इस वीडियो को देखकर जाना जा सकता है। छात्रों के साथ पत्रकार की हुई बातचीत जहां एक ओर छात्रों के सामान्य ज्ञान पर सवालिया निशान उठाती है वहीं देश की शिक्षा का स्तर क्या है- यह भी उससे जाहिर हुआ है।

माना यह भी जा रहा है कि संचालकों की शह पर यह प्रदर्शन जुलूस निकाला गया था जो सम्भवतः भारतीय जनता पार्टी को खुश करना चाहते हों। ग्रेटर नोएडा में होने के नाते उत्तर प्रदेश की सरकार को भी खुश करने का इसका मकसद हो सकता है। छात्रों की राजनीति में भागीदारी में कोई बुराई नहीं है, बल्कि राजनीति में युवा शक्ति का सकारात्मक उपयोग किया जा सकता है। देश में पहले भी युवाओं व छात्रों द्वारा अनेक आंदोलन किये गये हैं जो देश के लिए परिवर्तकारी साबित हुए हैं। भगत सिंह इस देश के युवाओं के आदर्श हुआ करते थे और जेपी आंदोलन में युवा, छात्र नेताओं की भूमिका से सभी परिचित हैं। लेकिन शिक्षण संस्थानों द्वारा छात्रों का इस तरह से राजनैतिक इस्तेमाल किया जाना कतई उचित नहीं कहा जा सकता। अगर छात्रों ने स्वस्फूर्त यह प्रदर्शन किया होता तो उन्हें निश्चित ही विषय की पूरी जानकारी होती तथा वे उन तमाम विषयों पर अधिकारपूर्वक बात करने के काबिल होते जो उनके हाथों में ली गयी तख्तियों पर लिखे हुए थे। लेकिन बुधवार को दिल्ली में निजी विवि के छात्रों के प्रदर्शन से जाहिर हो गया कि मोबाइल के बाहर भी वाट्सएप विश्वविद्यालय चलाए जा रहे हैं।

ऑस्टियोअर्थराइटिस में ग्रीन टी का सेवन है लाभदायक!

ओस्टियोअर्थराइटिस अर्थराइटिस का एक प्रकार है। इससे ग्रस्त व्यक्ति को जोड़ों के दर्द और जकड़न का अक्सर सामना करना पड़ता है। ऐसे में अगर रोगी बार-बार डॉक्टर के पास नहीं जा सकते हैं तो वे इन समस्याओं का इलाज घर बैठे भी कर सकते हैं। आइए आज कुछ ऐसे घरेलू नुस्खों के बारे में जानते हैं जिन्हें अपनाकर ओस्टियोअर्थराइटिस से ग्रस्त लोग जोड़ों के दर्द और जकड़न से राहत पा सकते हैं।

ग्रीन टी एक स्वास्थ्यवर्धक पेय पदार्थ है और इसके नियमित सेवन से ओस्टियोअर्थराइटिस से ग्रस्त लोग जोड़ों के दर्द और जकड़न से कुछ हद तक राहत पा सकते हैं। दरअसल, ग्रीन टी एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटी-ऑक्सीडेंट गुणों के साथ-साथ पॉलिफिनॉल्स जैसे पोषक तत्वों से समृद्ध होती है जिनका जोड़ों के कार्टिलेज यानि ग्रीस पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। बता दें कि कार्टिलेज के प्रभावित होने पर ही ओस्टियोअर्थराइटिस की समस्या होती है।

ओस्टियोअर्थराइटिस से ग्रस्त लोग जोड़ों के दर्द और जकड़न से राहत पाने के लिए सेंधा नमक का इस्तेमाल भी कर सकते हैं। दरअसल, सेंधा नमक में मैग्नीशियम और सल्फेट जैसे पोषक तत्व सम्मिलित होते हैं जो दर्द और जकड़न निवारक की तरह काम कर सकते हैं। समस्या से राहत पाने के लिए नहाने के पानी में सेंधा नमक मिलाएं और फिर प्रभावित हिस्से को 30 मिनट तक इस पानी में डुबोकर बैठ जाएं। इससे आपको काफी आराम मिलेगा।

स्वास्थ्य संबंधी कई समस्याओं से छुटकारा दिलाने में हल्दी का सेवन सबसे कारगर घरेलू नुस्खों में से एक है। हल्दी में एंटी-ऑक्सीडेंट, एंटी-इंफ्लेमेटरी और कई अन्य गुण मौजूद होते हैं जो न सिर्फ बीमारियों को दूर करते हैं, बल्कि जोड़ों में दर्द और जकड़न की समस्या से भी राहत दिला सकते हैं। इसलिए जब भी ओस्टियोअर्थराइटिस के रोगियों को जोड़ों में दर्द या फिर जकड़न हो तो दूध में थोड़ी सी हल्दी मिलाकर उसका सेवन करें।

कोल्ड कंप्रेस की मदद से भी ओस्टियोअर्थराइटिस के रोगियों को जोड़ों के दर्द और जकड़न से राहत मिल सकती है। राहत के लिए कोल्ड पैड से प्रभावित हिस्से की सिकाई करें। अगर आपके पास कोल्ड पैड नहीं है तो एक तौलिये का थोड़ा सा हिस्सा ठंडे पानी में डुबो लें और फिर इसे निचोड़कर चार-पांच मिनट तक इसे प्रभावित जगह पर लगाकर रखें। ऐसा दिन में दो-तीन बार करने से आपको काफी आराम मिलेगा।

आयरन टेबल से ऐसे हटाएं हल्की-फुल्की गंदगी

अगर आपकी आयरन टेबल ज्यादा गंदी नहीं है और इस पर थोड़ी बहुत धूल-मिट्टी है तो इसे हल्के हाथों से एक साफ कपड़े से हर तरफ से झाड़ें। फिर इसके कवर को निकालकर अलग रख दें। अब आयरन टेबल के पैड को सावधानीपूर्वक बिना नुकसान पहुंचाए निकाल लें और अगर इसके नीचे धूल जमी हो तो वैक्यूम क्लीनर या सॉफ्ट ब्रश की मदद से इसे साफ कर लें।

अगर आपकी आयरन टेबल के कवर पर किसी तरह का दाग है तो आप इसे बेकिंग सोडा और सफेद सिरके की मदद से साफ कर सकते हैं। इसके लिए एक कटोरी में आधा कप पानी, दो चम्मच सफेद सिरका और एक चम्मच बेकिंग सोडा मिलाएं। अब इस मिश्रण को एक स्प्रे बोतल में डालकर इसे दाग वाली जगह पर छिड़कें और 10- 15 मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दें। इसके बाद कवर को धो दें।

आयरन टेबल के कवर को धोने के लिए सबसे पहले इस पर लगे लेबल को चेक करें कि कवर को मशीन से धोया जा सकता है या नहीं। अगर हां तो इसे मशीन में जेंटल सेटिंग पर धो लें। लेकिन अगर लेबल पर कवर को मशीन में धोने से मना किया गया है तो लेबल पर दिए गए दिशानिर्देशों को पढ़कर इसे साफ करें। ध्यान रखें कि मशीन में कवर को धोते समय माइल्ड डिटर्जेंट का इस्तेमाल करना है।

अब आप आयरन टेबल के कवर को हवादार जगह पर सुखा दें और जब यह सूख जाए तो इसे टेबल के पैड पर चढ़ा दें। इसके बाद एक साफ मुलायम कपड़े से पूरी आयरन टेबल को पोंछे और इसके अलग-अलग हिस्सों को एक बार फिर से जोड़ दें। अब आपका आयरन बोर्ड दोबारा इस्तेमाल करने के लिए अच्छी तरह से तैयार है। इसी तरह से हर एक या दो महीने बाद इसकी सफाई करके इसे सुरक्षित रखें।

ब्लैकबेरी बनाम ब्लूबेरी, इनमें से कौन-सी है ज्यादा स्वास्थ्यवर्धक?

बेरी अपनी मिठास और स्वास्थ्य लाभों के लिए जानी जाती हैं। बेरी कई तरह की होती हैं, जिनमें सबसे प्रमुख ब्लैकबेरी और ब्लूबेरी हैं।ये दोनों ही बेरीज विटामिन और खनिजों से भरपूर होती हैं और स्वास्थ्य को फायदा पहुंचाती हैं।इन्हें स्वास्थ्य गुणों का पावरहाउस कहा जाए तो गलत नहीं होगा, लेकिन ब्लैकबेरी और ब्लूबेरी में से कौन से बेरी बेहतर हैं?आइए दोनों की तुलना करते हुए इसके बारे में जानते हैं।

किसमें होती है अधिक कैलोरी?

एक कप ब्लैकबेरी में लगभग 62 कैलोरी होती है। इसमें विटामिन, खनिज और पोषक तत्व होते हैं।ब्लैकबेरी विटामिन-सी का एक अच्छा स्त्रोत होता है और इसमें 30 प्रतिशत तक इसकी मात्रा होती है।दूसरी तरफ एक कप ब्लूबेरी में लगभग 84 कैलोरी होती है, जो ब्लैकबेरी के मुकाबले ज्यादा हैं।ब्लैकबेरी की तरह यह भी विटामिन-सी का एक अच्छा स्त्रोत है। इसके साथ ही इसमें विटामिन-के भी भरपूर मात्रा में पाई जाती है।

ब्लैकबेरी के सेवन से क्या लाभ मिलते हैं?

ब्लैकबेरी विटामिन-के का एक अच्छा स्त्रोत है, जो हड्डियों के स्वास्थ्य और मैंगनीज के लिए आवश्यक है। मैंगनीज चयापचय और हड्डियों के निर्माण के लिए आवश्यक है।एक कप ब्लैकबेरी में लगभग 8 ग्राम फाइबर भी होता है, जो पाचन तंत्र को स्वस्थ रखता है। फाइबर ब्लड शुगर को नियंत्रित करने में भी मदद करता है।इसके अलावा ब्लैकबेरी में एंथोसायनिन भी होता है, जो याद्दाश्त को मजबूत करता है और ऑक्सीडेटिव तनाव को कम करता है।

ब्लूबेरी से क्या लाभ मिलते हैं?

ब्लूबेरी को एक सुपरफूड माना जाता है क्योंकि यह एंटी-ऑक्सीडेंट से भरपूर होता है।ये एंटी-ऑक्सीडेंट सूजन कम करते हैं, दिमाग की कार्यक्षमता में सुधार करते हैं और हृदय रोग और मधुमेह जैसी बीमारियों के जोखिम को कम करते हैं।इसके अलावा ब्लूबेरी का नियमित सेवन ब्लड प्रेशर को कम करके और एलडीएल कोलेस्ट्रॉल (खराब कोलेस्ट्रॉल) के स्तर को कम करके हृदय स्वास्थ्य में सुधार कर सकता है। यह अधिक उम्र से संबंधित याद्दाश्त समस्याओं को भी कम करती है।

दोनों में से किसका सेवन बेहतर?

ब्लैकबेरी और ब्लूबेरी दोनों ही कई लाभ स्वास्थ्य लाभ प्रदान करते हैं, जो उन्हें मूल्यवान बनाते हैं।इनमें से किसका सेवन करना आपके लिए बेहतर होगा, यह आपकी स्थिति और व्यक्तिगत पसंद पर निर्भर कर सकता है।हालांकि, अगर इनमें से किसी एक का चयन करना है तो आप ब्लूबेरी चुन सकते हैं क्योंकि यह हृदय रोग और मधुमेह जैसी गंभीर बीमारियों के जोखिम को कम करती है और समग्र स्वास्थ्य को फायदा पहुंचाती है।

मानवता की सेवा का दूसरा नाम है रेडक्रॉस

योगेश कुमार गोयल

वर्ष 1864 में जीन हेनरी डयूनेंट के सतत् प्रयासों के चलते जेनेवा समझौते के तहत अंतरराष्ट्रीय रेडक्रॉस मूवमेंट की स्थापना हुई थी। मानव सेवा के लिए हेनरी डयूनेंट को वर्ष 19०1 में पहला नोबेल शांति पुरस्कार प्रदान किया गया था। 8 मई 1828 को जेनेवा में जन्मे डयूनेंट एक स्विस व्यापारी तथा समाज सेवक थे, जो 1859 में हुई सालफिरोनो (इटली) की लड़ाई में घायल सैनिकों की दुर्दशा और रक्तपात का भयानक मंजर देखकर बहुत आहत हुए थे। युद्ध मैदान में पड़े हृदय विदारक कष्टों से तड़पते इन्हीं सैनिकों के दर्दनाक हालातों पर अपने कड़वे अनुभवों के आधार पर उन्होंने मेमोरी और सालफिरोनो पुस्तक भी लिखी और 1863 में रेडक्रॉस की अंतरराष्ट्रीय समिति आईसीआरआई का गठन किया।

जेनेवा में 26 से 29 अक्टूबर 1863 तक एक अंतरराष्ट्रीय बैठक हुई, जिसमें रेडक्रॉस के आधारभूत सिद्धांत निर्धारित किए गए तथा रेडक्रॉस आन्दोलन का विकास करते हुए आहत सैनिकों और युद्ध पीड़ितों की सहायता संगठित करने के लिए दुनियाभर के सभी देशों में राष्ट्रीय समितियां बनाने पर जोर दिया गया। 8 अगस्त 1864 को हुए जेनेवा अधिवेशन में सुरक्षा के प्रतीक रेडक्रॉस वाले सफेद झंडे पर स्वीकृति की मोहर लगाई गई, जो आज समस्त विश्व में रेडक्रॉस का प्रतीक चिन्ह बना हुआ है। 1863 में हुई रेडक्रॉस की स्थापना में चूंकि महान मानवता प्रेमी हेनरी डयूनेंट का सबसे बड़ा योगदान था, इसीलिए उनके जन्मदिन के अवसर पर ही प्रतिवर्ष विश्वभर में 8 मई का दिन अंतरराष्ट्रीय रेडक्रॉस दिवस के रूप में मनाया जाता है। रेडक्रॉस एक ऐसी अंतरराष्ट्रीय संस्था है, जो लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के अलावा आकस्मिक दुर्घटनाओं में घायलों, रोगियों, आपातकाल तथा युद्धकालीन बंदियों की देखरेख करती है। मानव सेवा को समर्पित रेडक्रॉस के उल्लेखनीय कार्यों की बदौलत इस संस्था को वर्ष 1917 में पहला नोबेल शांति पुरस्कार दिया गया। रेडक्रॉस को अब तक कुल तीन बार 1917, 1944 तथा 1963 में शांति के नोबेल पुरस्कार से नवाजा जा चुका है। रेडक्रॉस ने प्रथम तथा द्वितीय विश्व युद्ध में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए अनेक घायल सैनिकों तथा नागरिकों की सहायता कर अनुकरणीय उदाहरण पेश किया था। 1914 के प्रथम विश्वयुद्ध के समय रेडक्रॉस के करीब दो हजार स्वयंसेवकों ने न केवल विभिन्न सेनाओं तथा जहाजी बेड़ों के हजारों लापता सैनिकों का पता लगाया बल्कि 5०० विभिन्न बंदी-शिविरों की नियमित देखरेख करते हुए हजारों युद्धबंदियों को सहायता भी मुहैया कराई। अंतरराष्ट्रीय रेडक्रॉस सोसायटी दुनिया के सभी देशों में रेडक्रॉस आन्दोलन का प्रसार करने के साथ-साथ रेडक्रॉस के आधारभूत सिद्धांतों के संरक्षक के रूप में भी कार्य कर रही है।

रेडक्रॉस की भूमिका शुरूआती दौर में युद्ध के दौरान बीमार और घायल सैनिकों, युद्ध करने वालों और युद्धबंदियों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने तथा उन्हें उचित उपचार सुविधाएं उपलब्ध कराने तक ही सीमित थी किन्तु अब इस संस्था के दायित्वों का दायरा लगातार विस्तृत होता जा रहा है। दुनिया के किसी भी भाग में जब भूकम्प, बाढ़, भू-स्खलन या अन्य किसी भी प्रकार की प्राकृतिक अथवा मानवीय आपदा सामने आती है तो सबसे पहले अंतरराष्ट्रीय रेडक्रॉस सोसायटी की टीमें वहां पहुंचकर राहत कार्यों में जुट जाती हैं। कहना गलत न होगा कि शांति और सौहार्द के प्रतीक के रूप में जानी जाने वाली इस संस्था ने अपने कर्मठ, समर्पित और कर्तव्यनिष्ठ स्वयंसेवकों के माध्यम से न केवल भारत में बल्कि दुनियाभर में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। रेडक्रॉस फिलहाल 19० से भी ज्यादा देशों में सक्रिय है। विश्वभर में रेडक्रॉस के करीब 1.7 करोड़ स्वयंसेवक हैं। यही कारण है कि रेडक्रॉस दिवस को अंतरराष्ट्रीय स्वयंसेवक दिवस भी कहा जाता है। यह संस्था लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित करती है और अपनी विभिन्न शाखाओं के जरिये में जगह-जगह रक्तदान शिविर लगाकर प्रतिवर्ष बहुत बड़ी मात्रा में रक्त एकत्रित करती है। वास्तव में रक्त इकट्ठा करने वाली यह विश्व की एकमात्र सबसे बड़ी संस्था है, जिससे कैंसर, थैलेसीमिया, एनीमिया जैसी प्राणघातक बीमारियों से जूझ रहे हजारों लोगों की भी जान बचाई जाती हैं। रेडक्रॉस की पहल पर ही दुनिया का पहला ब्लड बैंक अमेरिका में 1937 में स्थापित हुआ था और वर्तमान में दुनियाभर के अधिकांश ब्लड बैंकों की देखरेख रेडक्रॉस तथा उसकी सहयोगी संस्थाओं द्वारा ही की जाती है। भारत में भी रक्त एकत्रित करने तथा वही रक्त जरूरतमंद लोगों के लिए सही समय पर उपलब्ध कराने का कार्य यह संस्था कई दशकों से लगातार कर रही है। भारत में भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी अधिनियम के तहत वर्ष 192० में रेडक्रॉस सोसायटी का गठन हुआ था और स्थापना के 9 वर्ष बाद इसकी सराहनीय गतिविधियों को देखते हुए अंतरराष्ट्रीय रेडक्रॉस सोसायटी ने भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी को मान्यता प्रदान की थी। वर्ष 1994 में रेडक्रॉस एक्ट में संशोधन करते हुए सोसायटी का पदेन अध्यक्ष महामहिम राष्ट्रपति को तथा सचिव केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री को बनाया गया। *(ये लेखक के अपने विचार हैं)*

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

म्यूजिक को हमेशा स्टडी टूल की तरह इस्तेमाल नहीं करना चाहिए

म्यूजिक मूड को रिफ्रेश कर बेहतर बनाने में मदद कर सकता है, लेकिन ध्यान रखने की बात है कि म्यूजिक को हमेशा स्टडी टूल की तरह इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। पढ़ाई हमेशा शांत जगह ही करनी चाहिए।

एक्सपर्ट्स का कहना है कि म्यूजिक मूड को रिफ्रेश कर बेहतर बनाने में मदद कर सकता है, लेकिन ध्यान रखने की बात है कि म्यूजिक को हमेशा स्टडी टूल की तरह इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। पढ़ाई हमेशा शांत जगह ही करनी चाहिए।

पढ़ाई हमेशा शांत माहौल में करना चाहिए, इससे ध्यान नहीं भटकता है और पढ़ी हुई चीज जल्दी याद होती है। अक्सर घर में बड़ों और स्कूल के टीचर्स को ऐसा कहते सुना होगा। यह बात काफी हद तक ठीक भी मानी जाती है लेकिन कुछ लोग ऐसे भी होते हैं, जो पढ़ते समय गाने सुना करते हैं। जिससे लोगों के मन में सवाल उठता है कि क्या ऐसा करना सही है, क्या इस से पढ़ाई में मन लगता है या याद की हुई चीजें दिमाग में बैठती हैं।

आइए जानते हैं इन सवालों के जवाब...

एक्सपर्ट्स का मानना है कि पढ़ाते करते समय गाने सुनना गलत आदत है। इससे याददाश्त पर दबाव पड़ सकता है। यह इसी तरह है जब तो चैनल एक ही फ्रीक्वेंसी पर चल रहे हों। दरअसल, पढ़ाई और म्यूजिक एक साथ टकराव पैदा करती हैं।

इससे पढ़ाई से मन भटक जाता है और टॉपिक भी याद नहीं रहता है। स्टडीज के मुताबिक,म्यूजिक सुनने से फोकस पर पॉजिटिव और निगेटिव दोनों तरह के असर पड़ सकते हैं। म्यूजिक मूड को रिफ्रेश करता है लेकिन तेज म्यूजिक से ध्यान भकटता है और परफॉर्मेंस पर असर पड़ सकता है।

एक्सपर्ट्स के अनुसार, इंस्ट्रूमेंटल म्यूजिक से ज्यादा नुकसान नहीं होता है। पढ़ाई करते हुए अगर इंस्ट्रूमेंटल म्यूजिक छात्र सुनते हैं तो इससे तनाव कम और एकाग्रता बढ़ सकती है। यह ध्यान भटकाए बिना अलर्टनेस बढ़ाती है।

अनफैमिलियर म्यूजिक सुनने से मैथ्य और लैंग्वैज जैसे विषयों को पढने में परेशानी आ सकती है, जबकि फैमिलियर म्यूजिक चिंता कम कर परफॉर्मेंस में सुधार ला सकता है। म्यूजिक सुनने से मूड में सुधार होता है और अकेले रहने की भावनाएं कम होती हैं। एकाग्रता चाहने वालों को म्यूजिक नहीं सुनना चाहिए।

गाने सुनने से बचें, स्लो और इंस्ट्रूमेंटल म्यूजिक सुन सकते हैं। 2 ऐसा म्यूजिक ही सुनने की कोशिश करें जो फीलिंग को स्ट्रॉग न करें। (आरएनएस)

रोजाना घर में पोछा लगाने से पोछा पड़ गया है काला ?

गर्मी के मौसम में घर बहुत जल्दी गंदा होने लगता है। ऐसे में कई लोग घर में पोछा लगाते हैं, लेकिन रोजाना पोछा लगाने से पोछे का रंग काला पड़ जाता है। कुछ लोग ऐसे हैं, जो पोछे के काले रंग को निकालने के लिए कई कोशिश करते हैं। लेकिन फिर भी उनसे नहीं हो पता है।

अगर आप भी पोछे के काले रंग को निकालने के लिए परेशान हो रहे हैं, तो यह खबर आपके लिए है। आज हम आपको कुछ ऐसी टिप्स बताएंगे, जिन्हें फॉलो कर आप आसानी से पोछे के काले रंग को निकाल सकते हैं। इससे आप जब भी पोछा लगाएंगे, तो आपके घर की टाइल्स गंदी नहीं दिखेगी। आईए जानते हैं उन टिप्स के बारे में। पोछा लगाते समय, फर्श पर मौजूद धूल, मिट्टी, बाल और अन्य गंदगी पोछे में चिपक जाती हैं, जिससे वह काला हो जाता है। इसे साफ करने के लिए आप साबुन या डिटर्जेंट का इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे बचने के लिए आप नियमित रूप से पहले झाड़ू लगाएं फिर पोछे का इस्तेमाल करें। पोछे के पानी में हल्के साबुन या डिटर्जेंट का ही इस्तेमाल करें। आप घर पर नींबू का रस, सिरका या बेकिंग सोडा जैसे क्लीनर का इस्तेमाल कर सकते हैं।

पोछे को काले होने से बचाने के लिए आप जब भी एक कमरे में पोछा लगाएं, तो उस पोछे को तुरंत साफ पानी से धो लें। एक ही पोछे से पूरे घर में पोछा न लगाएं। आप हफ्ते में एक बार पोछे को गर्म पानी और डिटर्जेंट से भी धो सकते हैं। कोशिश करें हमेशा पोछे को धूप में या हवादार जगह पर सुखाएं। ऐसा करने से पोछे में से बदबू नहीं आएगी और इसमें फफूंद और बैक्टीरिया भी नहीं आएंगे हैं। इसके अलावा आप अलग-अलग रंगों के पोछे के कपड़े का इस्तेमाल कर सकते हैं। ताकि पोछा गंदा ना दिखे। इन ट्रिक्स को अपनाकर आप अपने घर के पोछे को लंबे समय तक साफ रख सकते हैं।(आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -92

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. खूब कसा हुआ, फूर्तिला, जो शिथिल व आलसी न हो 3. सार्वजनिक स्थान, संस्था, अस्तित्व, समिति 4. पौरुष, पुरुषत्व, मर्द होने का भाव 6. अंधेरा, अंधकार 7. लिपाई करना 9. शरीर, काया, जिस्म 10. मां के पिता, विभिन्न 12. महीना, मास 14. प्रियतम, बलमा, सजना 15. पांडवों का सबसे छोटा भाई 17. नशा, घमंड, खाता 19. वनोपज, वन से प्राप्त सामाग्री 21. शक्तिशाली, बलवान 24. तीव्र इच्छा 25. हथेली।

ऊपर से नीचे

1. निंदा, बुराई 2. निर्जीव, निष्प्राण 3. ध्वनियों या स्वरों का विशिष्ट लय में प्रस्फुटन, धुन, म्युजिक 4. झुका हुआ, विनीत 5. रूठे हुए को प्रसन्न करना, राजी करना 8. आश्रय, शरण 11. जन्म, जिंदगी 12. इंसानियत, मनुष्यता 13. रास्ता, मार्ग 14. एक हिंदी महीना, श्रावण 15. सपाट, जो उबड़-खाबड़ न हो 16. पति का छोटा भाई 18. गहरा कीचड़, पंक 20. आत्मा, अंत:करण (उ.) 22. बीता हुआ या आने वाला दिन 23. बगुला।

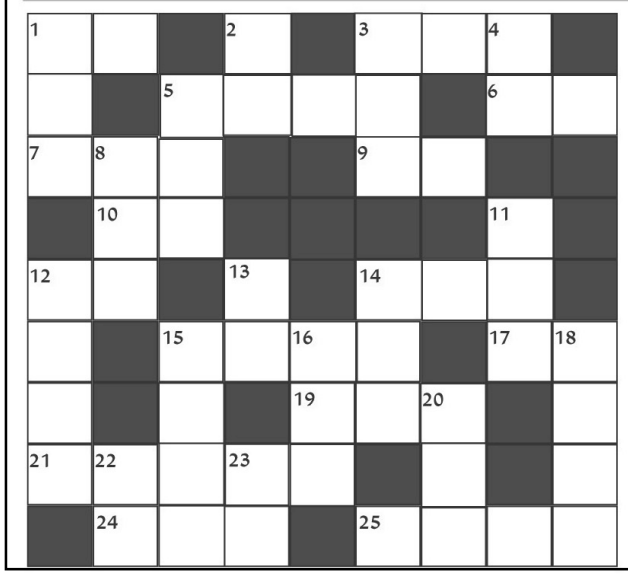

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 91 का हल

गु	मा	न			प	यो	द	
न		ह	क	दा	र		ल	य
ह	वा	ला	त		च		द	म
गा			रा	ज	म	ह	ल	
र	ई	स		ग		स		अ
	मा		प	त	वा	र		ल
ख	न	क	ना		ह	त		बे
स	दा		ह		वा		शो	ला
रा	र				ही	र	क	

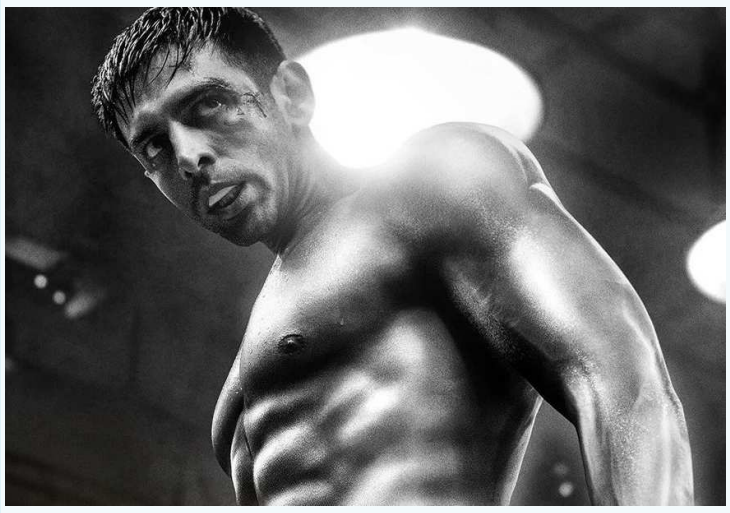

कार्तिक आर्यन ने रिंग में दिखाए सिक्स पैक एब्स

चंदू चैंपियन का पहला पोस्टर रिलीज हो गया है, जिसे साजिद नाडियाडवाला और कबीर खान ने मिलकर प्रोड्यूस किया है। इस पोस्टर ने फैंस और दर्शकों की एक्साइटमेंट को बढ़ा दिया, क्योंकि उन्हें फिल्म में कार्तिक आर्यन को एक बिल्कुल ही नए अवतार में देखने का मौका मिलने वाला है। फैंस और दर्शकों दोनों की उम्मीद को नई उड़ान देते हुए कार्तिक आर्यन को लंगोट में दिखाने वाला पोस्टर इस साल का सबसे चर्चित और विजुअल ट्रीट बन गया है।

पहला पोस्टर सामने आने के बाद, एक्साइटमेंट फैंस की अलग ही देखने को मिली। इसके बाद फैंस और दर्शक और ज्यादा सरप्राइजेस का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। ऐसे में इस एक्साइटमेंट को बनाए रखने के लिए मेकर्स ने चंदू चैंपियन से दूसरा और सबसे बड़ा पोस्टर जारी करके सभी को सरप्राइज कर दिया है। पहले जबरदस्त पोस्टर के बाद, फैंस और भी ज्यादा की उम्मीद कर रहे थे। अब, कार्तिक आर्यन के बॉक्सर के किरदार के सामने आने से हलचल मचना तय है, जिसमें उनकी बेहतरीन बॉडी साफ देखी जा सकती है।

चंदू चैंपियन के लिए कार्तिक आर्यन की कमिटमेंट और कोशिश उनके कमाल के बॉडी ट्रांसफॉर्मेशन में साफ देखी जा सकती है। शुरू से ही, कार्तिक आर्यन और कबीर खान दोनों ने फिल्म में किरदार के लिए एक ऑथेंटिक रेसलर की फिजिक का लक्ष्य रखा था, और दूसरे पोस्टर में उस विजन को साफ देखा जा सकता है। कार्तिक आर्यन ने चंदू चैंपियन में अपने किरदार के लिए 40त्न बॉडी फैट से लेकर 7त्न तक का सफर तय किया। ये चीज उनकी डेडीकेशन और कड़ी मेहनत को साबित करता है। उन्होंने बिना किसी शॉर्टकट या आर्टिफिशियल तरीकों के ये सब हासिल किया है।

फैंस को अभी भी फिल्म रैप का वो वीडियो याद होगा, जिसमें कार्तिक 14 महीने बाद रसमलाई का लुत्फ उठाते नजर आए थे। उनके डेडीकेशन ने कमिटेड परफॉर्मेंस और शानदार कहानी दिखाने के लिए एक नया स्टैंडर्ड सेट किया है। बता दें कि साजिद नाडियाडवाला और कबीर खान द्वारा प्रोड्यूस चंदू चैंपियन 14 जून, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म की जबरदस्त कहानी और कार्तिक आर्यन की बेहतरीन परफॉर्मेंस को देखने के लिए फैंस काफी बेताब हैं।

पुष्पा 2 से अनसूया भारद्वाज का फर्स्ट लुक पोस्टर रिलीज!

साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन स्टारर मोस्ट अवेटेड फिल्म पुष्पा 2 द रूल का इंतजार फैंस को बेसब्री से हैं। फिल्म का हाल ही में पहला गाना पुष्पा-पुष्पा रिलीज हुआ था। इस गाने पर धड़ल्ले से रील बन रही है और अब फिल्म से एक्ट्रेस का अनसूया भारद्वाज का फर्स्ट लुक सामने आ गया है। दरअसल, अनसूया के बर्थडे पर उनका फर्स्ट लुक सामने आया है। पुष्पा के मेकर्स मैत्री मूवी मेकर्स ने एक्ट्रेस को जन्मदिन भी विश किया है।

फिल्म के पहले पार्ट में धांसू रोल करने वालीं अनसूया अपना 39वां बर्थडे मना रही हैं। वहीं, एक्ट्रेस के लिए इस खास मौके पर पुष्पा के मेकर्स मैत्री मूवी ने अपने एक्स हैंडल पर एक्ट्रेस का फिल्म से धांसू लुक शेयर किया है। सोशल मीडिया पर अनसूया का फर्स्ट लुक तेजी से वायरल हो रहा है। अपने फर्स्ट लुक पोस्टर में अनसूया मेज पर रौबदार लुक में बैठी हैं। पुष्पा 2 में वह दक्षिणायनी के रोल में नजर आने वाली हैं।

पुष्पा 2ः द रूल में अल्लू अर्जुन, रश्मिका मंदाना, फहाद फासिल, अनसूया भारद्वाज, सुनील, जगदीश और राव रमेश अहम रोल में दिखेंगे। पुष्पा 2 आगामी 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के मौके पर रिलीज होने जा रही है। फिल्म के म्यूजिक के लिए एक बार फिर देवी श्री प्रसाद को चुना गया है। फिल्म के डायरेक्टर सुकुमार हैं।

वहीं, फिल्म का पहला गाना पुष्पा- पुष्पा पहले ही धमाका कर चुका है और अब फिल्म का दूसरा गाना रिलीज करने की तैयारी हो रही है। पुष्पा 2 का दूसरा गाना एक रोमांटिक ट्रेक बताया जा रहा है, जिसमें अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना की लव कैमिस्ट्री दिखेगी।

श्रिया रेड्डी तमिल वेब सीरीज थलाईमाई सेयालागम में राजनीति करती नजर आएंगी

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक वसंतबालन द्वारा निर्देशित आठ-एपिसोड की वेब सीरीज थलाईमाई सेयालागम में तमिल अभिनेत्री श्रिया रेड्डी सत्ता की चाहत रखने वाली एक राजनेता की भूमिका में नजर आएंगी। श्रिया रेड्डी को हाल ही में सालार में देखा गया था। उन्होंने इसमें अपने दमदार अभिनय से फैंस का दिल जीत लिया था। श्रिया अब अपनी अगली राजनीतिक सीरीज थलाईमाई सेयालागम की रिलीज का इंतजार कर रही हैं।

श्रिया रेड्डी निर्देशक के काम से बेहद प्रभावित हुईं और उन्होंने कहा, मैंने जितनी भी व्यावसायिक फिल्में की हैं, उसके बाद मैं फिर से अपनी जड़ों की ओर वापस आने के लिए तैयार हूं। वेयिल और कांचीवरम जैसी फिल्मों ने वास्तव में मेरे लिए एक नया माहौल तैयार किया।

अभिनेत्री ने कहा, हमने इस विशेष शो को बहुत वास्तविक और बेहद स्वाभाविक रखा है। किरदार में ढलना एक निर्देशक की सबसे बड़ी संपत्ति है, इसलिए उन्होंने प्रत्येक कलाकार को किरदार में ढलने के लिए समय और स्थान दिया। वह हर चीज को यथासंभव वास्तविक चाहता थे। श्रिया रेड्डी ने कहा, जब तक उन्हें वह नहीं मिल जाता जो वह चाहते हैं, वह बस यही कहते हैं, क्या हम इसे आजमा सकते हैं क्या हम वह प्रयास कर सकते हैं अभिनेत्री ने आगे कहा कि उन्होंने कभी हार नहीं मानी। थलाईमाई सेयालागम एक महिला की सत्ता की खोज की कहानी को सामने लाती है। यह सीरीज दर्शकों को महत्वाकांक्षा और विश्वासघात की मनोरंजक कहानी की ओर ले जाती है। साथ ही तमिलनाडु की राजनीति को उजागर करती है।

रदान मीडिया वर्क्स की तमिल एक्ट्रेस राधिका सरथकुमार ने इस सीरीज का निर्माण किया है, जिसका प्रीमियर 17 मई से जी 5 पर हुआ। इसमें किशोर, श्रिया रेड्डी, आदित्य मेनन और भरत मुख्य भूमिकाओं में हैं। (आरएनएस)

दीपिका पादुकोण के नाम एक और उपलब्धि, बनीं ये अंतरराष्ट्रीय सम्मान पाने वाली अकेली भारतीय स्टार

दीपिका पादुकोण अक्सर किसी न किसी वजह से चर्चा में रहती हैं। अब एक बार फिर वह सुर्खियों में हैं और वजह भी बेहद खास है। दरअसल, दीपिका ने एक बार फिर दुनियाभर में भारत का नाम रोशन किया है। दरअसल, अंतरराष्ट्रीय पत्रिका डेडलाइन ने 2024 के ग्लोबल डिसरप्टर्स की सूची जारी की है। इसमें दुनियाभर के वो सितारे शामिल हैं, जो मनोरंजन जगत में अपना खास योगदान दे रहे हैं। इस सूची में भारत से अकेली दीपिका शामिल हैं।

दीपिका लोकप्रिय हॉलीवुड पत्रिका डेडलाइन की ग्लोबल डिसरप्टर्स 2024 सूची में शामिल होने वाली एकमात्र भारतीय सेलेब्रिटी हैं।उन्हें भारत की सरप्राइज सुपरस्टार बताया गया है, जो लगातार सीमाओं और मिथकों को तोड़ रही हैं।रिपोर्ट के मुताबिक, दीपिका ने न केवल लगातार 2 वर्षों तक बॉक्स ऑफिस पर सफलता हासिल की है, बल्कि कई वैश्विक प्लेटफार्मों पर भारत का प्रतिनिधित्व भी किया है।प्रतिष्ठित सूची में ईवा लोंगोरिया, उमा थुरमन और ली सुंग-जिन जैसे अंतरराष्ट्रीय सितारे भी शामिल हैं।

दीपिका बाफ्टा अवॉर्ड्स, 2024 में बतौर प्रेजेंटर शामिल हुई थीं। दिसंबर, 2023 में वह एकेडमी म्यूजियम गाला में शामिल होने वाली पहली भारतीय अभिनेत्री बनी थीं।2023 में हुए 95वें ऑस्कर समारोह में भी दीपिका को बड़ी जिम्मेदारी मिली थी। ऑस्कर के मंच पर वह प्रेजेंटर के तौर पर नजर आई थीं।दीपिका कान्स फिल्म फेस्टिवल के जूरी सदस्यों की सूची में शामिल हो चुकी हैं। वह फीफा विश्व कप ट्रॉफी से पर्दा उठाने वाली पहली भारतीय बनी थीं।

दीपिका इन दिनों अपनी प्रेग्नेंसी को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। उन्होंने इस साल फरवरी में सोशल मीडिया पर यह ऐलान किया था कि वह मां बनने वाली हैं। उन्होंने यह भी बताया था कि सितंबर, 2024 में वह बच्चे को जन्म देंगी।दीपिका ने 2018 में रणवीर सिंह से शादी की थी। उन्होंने 2 रीति-रिवाजों से इटली के लेक कोमो में शादी रचाई थी। शादी के 6 साल बाद अब वे माता-पिता बनने के लिए बेहद उत्साहित हैं।

दीपिका जल्द ही रोहित शेट्टी के निर्देशन में बनी फिल्म सिंघम अगेन में पुलिस की वर्दी पहने धमाल मचाती नजर आएंगे। इस फिल्म में उनका एक्शन अवतार देखने को मिलेगा। दीपिका लेडी सिंघम बनकर दर्शकों का दिल जीतने के लिए तैयार हैं।इसके अलावा कल्कि 2898 एडी भी उनकी बहुप्रतीक्षित फिल्मों में शुमार है, जिसमें पहली बार उनकी जोड़ी प्रभास के साथ बनी है।हॉलीवुड फिल्म द इंटर्न का हिंदी रीमेक भी दीपिका के खाते से जुड़ा है। (आरएनएस)

अर्थव्यवस्था के लिए महत्त्वपूर्ण

डॉ. जयंतीलाल भंडारी

हाल में एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि भारत के तेजी से बढ़ते सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में ग्रामीण अर्थव्यवस्था की अहम भूमिका है। बढ़ते कृषि उत्पादन और ग्रामीण बाजारों में मांग बढने से निजी खपत में भी तेजी आ रही है।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) और प्रमुख मौसम एजेंसी स्काईमेट ने कहा है कि अनुकूल मानसूनी मौसम के कारण इस वर्ष 2024 में भारत में अच्छी वप्रा के स्पष्ट संकेत खेती और भारतीय ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए महत्त्वपूर्ण हैं। इसी प्रकार हाल में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कहा है कि वर्ष 2024 में दक्षिण-पश्चिम मानसून के सामान्य रहने की उम्मीद है, जिससे कृषि गतिविधियों में और तेजी आएगी। ग्रामीण बाजारों में भी मांग बढने से अर्थव्यवस्था को तेज गति मिलेगी।

गौरतलब है कि विभिन्न रिपोटरे में कहा जा रहा है कि भारत के ग्रामीण अधिक खर्च कर रहे हैं। गांवों में न केवल कृषि संबंधी संसाधनों की अधिक बिक्री हो रही है, वरन फ्रिज, दोपहिया वाहन और टीवी की खरीदारी भी उच्च स्तर पर है। यह सब ग्रामीण भारत में भविष्य के प्रति उत्साह और वर्तमान के बेहतर परिणामों का प्रतीक है। यह भी महत्त्वपूर्ण है कि भारत में पिछले एक दशक में शहरी परिवारों के मुकाबले ग्रामीण परिवारों का खर्च तेजी से बढ़ा है। ग्रामीण भारत के विकास के लिए सरकारी योजनाओं के तहत किए गए भारी व्यय, ग्रामीणों के रोजगार की मनरेगा योजना तथा स्वरोजगार की ग्रामीण योजनाओं से ग्रामीण परिवारों की आमदनी में तेज इजाफे के साथ उनकी क्रय शक्ति और मांग में भारी इजाफा हुआ है। इससे ग्रामीण भारत की आर्थिक ताकत में वृद्धि हुई है।

यद्यपि अभी आम चुनाव के बाद जून, 2024 में गठित होने वाली नई सरकार के मूर्त रूप लेने में कोई दो माह बकाया हैं, लेकिन उच्च प्रशासनिक स्तर पर वर्ष 2047 तक भारत को विकसित देश बनाने के मकसद से जिन क्षेत्रों के लिए आगामी पांच सालों के लिए प्रभावी रणनीति बनाई जाना शुरू की गई है, उनमें कृषि भी प्रमुख है। यह कोई छोटी बात नहीं है कि इस समय पूरी दुनिया में भारत को खाद्यान्न का नया वैश्विक कटोरा माना जा रहा है। भारत दुनिया का तीसरा बड़ा खाद्यान्न उत्पादक है।

दुनिया में सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक देश बना हुआ है। गेहूं तथा फलों के उत्पादन के मामले में भारत दुनिया में दूसरे स्थान पर तथा सब्जी उत्पादन में तीसरे स्थान पर है। विश्व स्तर पर भारत केला, आम, अमरूद, पपीता, अदरक, भिंडी, चावल, चाय, गन्ना, काजू, नारियल, इलायची और काली मिर्च आदि के प्रमुख उत्पादक के रूप में जाना जाता है। खाद्य प्रसंस्करण के मामले में भी भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। जहां कोविड-19 की आपदा से लेकर अब तक भारत वैश्विक स्तर पर दुनिया के जरूरतमंद देशों की खाद्य संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने में अहम भूमिका निभाते हुए दिखाई दे रहा है, वहीं भारत ने दुनिया भर में कृषि उत्पादों के निर्यात बढ़ाने का अवसर भी मुट्ठियों में ले लिया है। भारत से कृषि निर्यात लगातार बढ़ते जा रहे हैं। अनाज, गैर-बासमती चावल, बाजरा, मक्का और अन्य मोटे अनाज के अलावा फलों एवं सब्जियों के भारत से निर्यात में भी भारी वृद्धि दर्ज की गई है।

कई छोटे देशों के बाजार भी भारत की मुट्ठियों में आए हैं। इस समय दुनिया में कृषि निर्यात में भारत का स्थान सातवां है। भारत से करीब 50 हजार डॉलर से अधिक मूल्य का कृषि निर्यात होता है। खाद्य प्रसंस्करण में ऐसा कोई क्षेत्र नहीं है, जहां भारत से निर्यात में वृद्धि नहीं हुई हो। अब भारत की खाद्य प्रसंस्करण क्षमता 12 लाख टन से बढक़र दो सौ लाख टन हो गई है। पिछले नौ वर्षो में खाद्य प्रसंस्करण निर्यात में 15 गुना वृद्धि दर्ज की गई है। निर्यात में प्रसंस्कृत खाद्य पदाथरे की हिस्सेदारी 13 से बढक़र 23 प्रतिशत हो गई है। भारत में खाद्य प्रसंस्करण के तहत पांच क्षेत्र हैं- डेयरी क्षेत्र, फल एवं सब्जी प्रसंस्करण, अनाज का प्रसंस्करण, मांस मछली एवं पोल्ट्री प्रसंस्करण तथा उपभोक्ता वस्तुएं पैकेटबंद खाद्य और पेय पदार्थ। खाद्य प्रसंस्करण सेक्टर के मामले में यह भी उल्लेखनीय है कि इन प्रमुख पांच क्षेत्रों की व्यापक संभावनाओं को मुट्ठियों में करने के लिए कई कदम उठाए गए हैं। इससे ग्रामीण भारत लाभान्वित हो रहा है।

यह बात महत्त्वपूर्ण है कि फरवरी, 2024 में भारत द्वारा संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के अबूधाबी में आयोजित विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के 13वें मंत्रिस्तरीय सम्मेलन में खाद्य सुरक्षा, खाद्यान्नों के सार्वजनिक भंडारण एवं न्यूनतम समर्थन (एमएसपी) के स्थायी समाधान के लिए जिस तरह प्रभावी पहल की गई। इस कारण इस सम्मेलन में इन मुद्दों पर कई विकसित देश भारत के किसानों के हितों के प्रतिकूल कोई प्रस्ताव आगे नहीं बढ़ा पाए। ऐसे में अब भी भारत अपने किसानों के उपयुक्त लाभ के लिए नीतियां बनाते हुए खाद्य सुरक्षा एवं सार्वजनिक भंडारण की सुविधा से कृषि एवं ग्रामीण विकास के अभियान को आगे बढ़ा सकेगा।

यह भी उल्लेखनीय है कि 24 फरवरी, 2024 में सरकार ने सहकारी क्षेत्र में दुनिया की जिस सबसे बड़ी खाद्यान्न भंडारण योजना के लिए प्रायोगिक परियोजना के तहत जिन 11 राज्यों में प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पैक्स) को लक्षित किया है, उनके माध्यम से पैक्स की किसानों के हित में बहुआयामी भूमिका होगी। ऐसे में नई खाद्यान्न भंडार योजना के माध्यम देश में खाद्यान्न भंडारण की क्षमता, जो फिलहाल 1450 लाख टन है, को अगले 5 साल में सहकारी क्षेत्र में 700 लाख टन की नई क्षमता विकसित करके 2150 लाख टन किए जाने का लक्ष्य रखा गया है। यह अभूतपूर्व खाद्यान्न भंडारण व्यवस्था नये भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए बहुआयामी उपयोगिता देते हुए दिखाई देगी। हम उम्मीद करें कि लोक सभा चुनाव के बाद गठित होने वाली नई सरकार कृषि एवं ग्रामीण विकास के साथ-साथ कृषि सुधारों की डगर पर तेजी से आगे बढ़ेगी और इससे किसानों और ग्रामीण भारत के चेहरे पर मुस्कुराहट बढ़ते हुए दिखाई दे सकेगी।

पिंक ड्रेस में उर्वशी रौतेला गिराई हुस्न की बिजलियां

इस बार कान्स में कई एक्टर्स और कंटेंट क्रिएटर्स के कान्स में शामिल होने की खबरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। बीते दिनों खबरें थी कि बॉलीवुड अभिनेत्री कियारा आडवाणी भारत की ओर से कान्स फिल्म फेस्टिवल का हिस्सा बनने वाली हैं। इसी बीच हाल ही में तारक मेहता... शो में नजर आई दीपि सधवानी ने अपने डेब्यू से फैंस को सरप्राइज दे दिया। वहीं अब हाल ही में उर्वशी रौतेला ने भी इवेंट के पहले दिन का अपना लुक रिविल कर दिया है, जिसे देख हर किसी की नजरें टिकी ही रह गई है।

एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक तस्वीर शेयर की है, जिसमें वह पिंक कलर का हाई थाई स्लिट गाउन पहने नजर आ रही हैं। यह गाउन स्ट्रेपलेस था। इस ड्रेस में वह बार्बी से कम नहीं लग रही हैं। वहीं इस आउटफिट के साथ एक्ट्रेस ने सिर पर एक स्टोन से जड़ा बैंड लगा रखा है, वहीं, हाथों में उर्वशी ने खास तरह के कंगन डाले भी पहना हुआ हैं। गाउन का अप-फ्रंट लुक कोर्सेट की तरह है। वहीं उर्वशी के चेहरे पर शार्प मेकअप है जो उनके लुक में चार-चांद लगा रहा है। हालांकि कुछ लोगों का उर्वशी का ये लुक देखकर दीपिका पादुकोण की याद आ गई है। दरअसल, दीपिका पादुकोण ने कान्स फिल्म फेस्टिवल 2018 में कुछ इस तरह का ही पिंक गाउन पहना था।

उर्वशी जल्द ही बॉबी देओल, दुलकर सलमान, नंदामुरी बालकृष्ण के साथ एनबीके109 और सनी देओल और संजय दत्त के साथ बाप जैसे फिल्मों में नजर आएंगी।

सू- दोकू क्र.92

	7				1		3	
1		9				5		
			3				1	
		5						3
3					2		5	
				3				2
	4						7	
7		8		1		6		
	6		7		9			1

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र. 91 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

कर-सुधार से जीएसटी दो लाख करोड़ पार

अनिल शर्मा

यह सुखद ही है कि देश कर संग्रहण सिस्टम में सुधार की दिशा में सार्थक पहल से एक कदम आगे बढ़ा है। देश में पहली बार जीएसटी का संग्रहण दो लाख करोड़ रुपये से पार चला गया है। कर विशेषज्ञ इसे टैक्स सिस्टम में सुधार के प्रयासों की सफलता बता रहे हैं। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था का भविष्य उसके समृद्ध आर्थिक संसाधनों पर ही निर्भर होता है। भारत के अड़ोस-पड़ोस के कई देशों की अर्थव्यवस्था नियोजन के अभाव, भ्रष्टाचार तथा लोकलुभावन नीतियों के व्यय बोझ से चरमरा गई। इसलिये आर्थिक अनुशासन और वित्तीय संसाधनों को समृद्ध करने का प्रयास बेहद जरूरी हो जाता है। यहां उल्लेखनीय है कि अप्रैल में जहां देसी गतिविधियों से कर संग्रह में 13.4 फीसदी का इजाफा हुआ है, वहीं पिछले अप्रैल के मुकाबले में आयात से होने वाला राजस्व संग्रह भी 8.3 फीसदी बढ़ा है। निश्चय ही चालू वित्त वर्ष के पहले ही महीने यानी अप्रैल में सकल वस्तु एवं सेवा कर संग्रह पहली बार रिकॉर्ड 2.1 लाख करोड़ रुपये होना अर्थव्यवस्था के लिये शुभ संकेत है, जबकि दुनिया की कई बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में फिलहाल मंदी के रुझान नजर आ रहे हैं। यह वृद्धि बीते साल अप्रैल में एकत्र जीएसटी के मुकाबले 12.4 फीसदी अधिक है। आर्थिक विशेषज्ञ मान रहे हैं कि वैश्विक स्तर पर उथल-पुथल के बीच रूस-यूक्रेन युद्ध तथा गजा में हमास इस्राइल संघर्ष जैसी बाह्य चुनौतियों के बावजूद चालू वित्त वर्ष में जीएसटी संग्रह में वृद्धि देश की आर्थिक उन्नति के लिये अच्छा संकेत है। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि कर प्राप्तियों में बढ़ोतरी के मूल में आर्थिक गतिविधियों में तेजी के रुझानों का असर है। उल्लेखनीय है कि वृद्धि आयात उपकर में भी हुई है। वैसे एक तथ्य यह भी है कि आम तौर पर किसी भी नये वित्तीय वर्ष में पहले माह अप्रैल में सरकार को सर्वाधिक वस्तु एवं सेवा कर मिलता है। इस वित्त वर्ष के आने वाले महीनों में जीएसटी संग्रहण से होने वाली आय से अर्थव्यवस्था के स्थायी रुझानों का पता चल सकेगा।

निश्चित रूप से आने वाले महीनों में यह देखना दिलचस्प होगा कि किन-किन महीनों में जीएसटी संग्रह दो लाख करोड़ रुपये का आकंड़ा पार करता है। यहां यह उल्लेखनीय है कि अप्रैल माह में केंद्रीय जीएसटी में इस बार 27.8 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ संगृहीत राशि 94,153 करोड़ रुपये रही।

दूसरी ओर राज्य जीएसटी संग्रह में आशातीत 25.9 फीसदी की वृद्धि हुई। इस तरह राज्यों की जीएसटी संग्रह राशि 95,138 करोड़ हो गई। यानी राजस्व प्राप्ति की राह में राज्यों की भागीदारी में भी सुधार देखा गया है। केंद्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर, लक्षद्वीप और अंडमान निकोबार, सिक्किम, मेघालय नगालैंड को छोड़कर सभी राज्यों में इस साल के पहले महीने जीएसटी राजस्व में वृद्धि हुई है। आर्थिक विशेषज्ञ जीएसटी वृद्धि के मूल में उपभोक्ता उत्पादों की ज्यादा खपत का योगदान बता रहे हैं। गर्मी बढ़ने की चिंता में उपभोक्ता बड़े पैमाने पर एसी व फ्रिज आदि खरीदते हैं। बच्चों के शैक्षिक सत्र समापन के चलते बच्चों की छुट्टियों में पर्यटन बढ़ने को भी एक वजह माना जा रहा है। निस्संदेह, लंबी यात्राओं के चलते आर्थिक गतिविधियों में तेजी आती है। वहीं आम चुनावों के चलते चुनाव प्रक्रिया में जुड़े व्यवसायों की आय में हुई वृद्धि की भी इसमें भूमिका हो सकती है। वहीं दूसरी ओर हमें मानना होगा कि वित्तीय नियामक एजेंसियों की सक्रियता तथा जीएसटी अधिकारियों द्वारा प्रशासनिक सुधारों को प्राथमिकता देने से भी जीएसटी संग्रह में वृद्धि का रुझान देखा जा सकता है। इसमें जहां रिटर्न भरने के लिये सख्ती, फर्जी चालान पर अंकुश, पंजीकरण की अनिवार्यता को लेकर सख्ती से भी वस्तु-सेवा कर संग्रहण में वृद्धि हुई है। विश्वास जताया जा रहा है कि जीएसटी राजस्व में वृद्धि से उत्साहित नई सरकार कर उगाही व्यवस्था में बदलाव के लिये नई पहल कर सकती है। सरकार दावा कर सकती है कि 'एक देश, एक कर' की सोच सार्थक परिणाम लेकर सामने आ रही है। जो इस क्षेत्र में नये सुधारों का मार्ग भी प्रशस्त कर रही है।

पाषर्दो के खिलाफ कार्यवाही की मांग को लेकर एनएसयूआई का प्रदर्शन

संवाददाता

देहरादून। घोटाला करने वाले पाषर्दो के खिलाफ कार्यवाही की मांग को लेकर एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन कर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा।

आज भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन परवादून जिलाध्यक्ष प्रकाश नेगी के नेतृत्व में भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन ने जीरो टॉलरेंस का दम भरती धामी सरकार के राज में राजीनीति की पहली सीढ़ी कहे जाने वाले नगर निगम के पार्षदों द्वारा आठ करोड़ के स्वच्छता घोटाले के संदर्भ में देहरादून जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान प्रकाश नेगी ने बताया कि वर्तमान सरकार की छत्रछाया में सफाई कर्मचारियों के वेतन एवम् स्वच्छता के नाम पर पार्षदों ने अपनी भ्रष्टाचार कर अपनी झोली भरने का काम किया। उन्होंने जिलाधिकारी से कहा कि ऐसे भ्रष्टाचारी पार्षदों के नाम सार्वजनिक कर उन पर उचित कार्यवाही की जाए साथ ही भविष्य में ऐसे व्यक्तियों को पुनः नगर निगम का चुनाव लड़ने पर पाबंदी लगाई जाए। घोटाले करने वाले पार्षदों पर एक सप्ताह के अंदर कार्यवाही नहीं की गई तो भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन जिलाधिकारी के कार्यालय के बाहर अनिश्चित कालीन धरना देने पर विवश होगा। ज्ञापन सौंपने वालों में प्रकाश नेगी, अनंत सैनी, सक्षम यादव, मनीष रावत, छात्र नेता मुकेश बसेड़ा, हिमश्रेष्ठ बाली, मुकेश बसेरा, अंकित आदि उपस्थित रहे।

पुस्ता निर्माण सहित अन्य मांगों को लेकर जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

संवाददाता

देहरादून। चन्द्रबनी वार्ड के अन्तर्गत आशा रोडी रेंज के नगड नाले के पास पुस्ते के निर्माण सहित विभिन्न मांगों को लेकर क्षेत्रवासियो ने पार्षद के नेतृत्व मे जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा।

आज यहां चंद्रबनी वार्ड के अंतर्गत आशा रोड़ी रेंज के अंतर्गत रगड़ नाले के पास जंगल की ओर तार जाल पुस्तो के निर्माण की मांग व स्कॉलर बीम स्कूल के पास सड़क निर्माण की मांग को लेकर क्षेत्रीय पार्षद सुखबीर बुटोला के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओं व स्थानीय जनता जिला मुख्यालय पर एकत्रित हुए जहां पर उन्होंने प्रदर्शन कर जिलाधिकारी के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में उन्हों ने कहा कि चंद्रबनी वार्ड में गत वर्ष में भारी बारिश होने के कारण चोयला में कई घरों में जंगलात का पानी घुस गया था जिस कारण से कई लोगों को आर्थिक हानि उठानी पड़ी। जबकि पूर्व में भी वन विभाग को वन भूमि के अंतर्गत तार जाल पुस्ते निर्माण की मांग की गई थी जिस पर वन विभाग द्वारा कोई भी कार्रवाई नहीं की गई है। इसी प्रकार से स्कॉलर बीम स्कूल के पास 350 मीटर सड़क निर्माण की अत्यंत आवश्यकता है स्कूल प्रबंधक द्वारा सड़क को ऊंची कर देने के कारण जल भराव की स्थिति उत्पन्न हो गई है जिसमें सड़क निर्माण हुआ जल मिट्टी भराव की अत्यंत आवश्यकता है। इन समस्याओं को लेकर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर इन समस्याओं के निराकरण की मांग की गई। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ता अजय गोयल, महेश घोष, आशीष तोमर, विकास कश्यप, अनिल ढकाल, सोनी नेगी, विशम्भरी, अर्जुन कुमार, पुष्पा बिष्ट, जशोदा, सरमिला देवी, रामावती, गीता, संग्रामी, बीना रावत आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे।

विरोध के बावजूद हटा मलिन बस्तियों ... ◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

लेकिन प्रशासन की टीमों द्वारा अतिक्रमण तोड़ दिया गया।

इस मामले में एसडीएम हरि गिरी का कहना है कि एनजीटी के आदेश पर नगर निगम की टीम ने सर्वे कर 2016 के बाद हुए 89 अतिक्रमण को चिन्हित किये गये थे। उन्होने बताया कि उनमें से कुछ लोगों द्वारा 2016 से पहले के कागजात दिखाये गये है जिनकी संख्या 15 थी बाकी शेष 74 लोगों को नोटिस दिया गया था लेकिन उनके द्वारा कोई साक्ष्य नहीं दिया गया था। जिस पर आज नगर निगम व प्रशासन की टीम पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची है जिनके द्वारा अतिक्रमण हटाया जा रहा है।

रेडी पटरी के स्ट्रीट वेंडर्स लघु व्यापारियों ने की बैठक, न्याय संगत मांगों को दोहराया

संवाददाता

हरिद्वार। लघु व्यापार एसोसिएशन से जुडे लघु व्यापारियों ने एक बैठक का आयोजन कर शासन प्रशासन के आगे अपनी न्याय संगत मांगों को दोहराया।

आज यहां फुटपाथ के कारोबारी रेडी पटरी के स्ट्रीट वेंडर्स लघु व्यापारियों के मात्र एक संगठन लघु व्यापार एसोसिएशन से जुडे संगठनों के प्रतिनिधि यों ने देव कुटिया के प्रांगण में एक बैठक का आयोजन किया। बैठक की अध्यक्षता प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा ने की संचालन शहर अध्यक्ष सुनील कुकरेती ने किया। बैठक के माध्यम से शासन प्रशासन से मांग की उत्तराखंड नगरी फेरी नीति नियमावली 2016 के अनुरूप हरिद्वार नगर निगम क्षेत्र पूर्व के प्रस्तावित चयनित सभी 15 वेडिंग जोन जिसमें चार वेडिंग जोन विकसित किया जा चुके हैं अन्य 11वेडिंग जोन में नगर निगम द्वारा पूर्व के सर्वे के अनुसार 2535 नगर निगम में पंजीकृत सभी रेडी पटरी के लघु व्यापारियों को व्यवस्थित किए जाने की कार्रवाई को प्रगति दिए जाने के साथ फुटकर ,फ्रूट ,सब्जी फेरी के लघु

व्यापारियों को लाइसेंस व विक्रिया प्रमाण पत्र उपलब्ध कराए जाने की मांग को प्रमुखता से दोहराया।

इस अवसर पर लघु व्यापार एसो. के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा ने कहा बस अड्डा रेलवे स्टेशन न्यू सब्जी मंडी, ज्वालापुर रेलवे रोड, ब्रह्मपुरी, भूपत वाला ,खड़खड़ी, विष्णु घाट, जोधामल रोड, भीम गोडा, काली मंदिर, न्यू मेडिकल कॉलेज पंतदीप पार्किंग, सीसीआर रोडी भेल वाला इत्यादि क्षेत्रों में स्थानीय कारोबारी रेडी पटरी के स्ट्रीट वेंडर्स लघु व्यापारियों का सर्वे नगर निगम प्रशासन द्वारा वर्ष 2018 में किया जा चुका है। लगभग 6 वर्ष बीत जाने के उपरांत भी उत्तराखंड नगरी फेरी नीति नियमावली 2016. के नियम अनुसार रेडी पटरी के लघु व्यापारियों को व्यवस्थित नहीं किया गया है जो की अन्याय पूर्ण है। लघु व्यापारियों की बैठक में अपने विचार व्यक्त करते जिला अध्यक्ष राजकुमार, पंडित मनीष शर्मा, कमल शमा, नंदकिशोर, नीरज कश्यप, कपिल सिंह, जय सिंह बिष्ट, मोहनलाल, भगवान दास, रणवीर सिंह, लालचंद गुप्ता, विजय कुमार, भोला यादव, सुनील, वीरेंद्र कुमार, दीपक, सचिन राजपूत, ओम प्रकाश कल्याण कामिनी मिश्रा, सीमा देवी, पुष्पा दास, आशा कश्यप, सुमन गुप्ता, मंजू पाल, सुनीता चौहान आदि प्रमुख रूप से शामिल रहे।

मिशन मर्यादा: 20 हुड़दंगियों पर पुलिस ने की चालानी कार्यवाही

हमारे संवाददाता

पौड़ी। मिशन मर्यादा के तहत धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों पर हुड़दंग मचाने वाले 20 लोगों के खिलाफ पुलिस ने चालानी कार्यवाही कर दी है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी लोकेश्वर सिंह द्वारा समस्त थाना प्रभारियों को अपने-अपने थाना क्षेत्रान्तर्गत धार्मिक स्थलों पर मर्यादा बनाये रखने एवं पर्यटक स्थलों की स्वच्छता बनाए रखने हेतु धार्मिक व पर्यटन स्थलों में हुड़दंग करने वाले, गंदगी फैलाने वाले तथा मादक पदार्थों का सेवन कर लोक शान्ति को प्रभावित करने वाले असामाजिक तत्वों व यातायात नियमों का पालन न करने वालों के विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया गया है। जिसके क्रम में प्रभारी निरीक्षक कोटद्वार के नेतृत्व में दुगड्डा चौकी पुलिस टीम द्वारा दुगड्डा क्षेत्रान्तर्गत धार्मिक स्थलों पर हुड़दंग कर रहे 20 लोगों के खिलाफ पुलिस अधिनियम के अंतर्गत चालानी कार्यवाही की गई है।

जनपद पौड़ी गढ़वाल पुलिस द्वारा "मिशन मर्यादा' के अंतर्गत भविष्य में भी धार्मिक स्थलों पर हुड़दंग करने एवं पर्यटक स्थलों पर सार्वजनिक रूप से नशा व गंदगी करने वालों के विरुद्ध कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि मर्यादा बनाये रखें साथ ही सार्वजनिक स्थानों पर लोग शांति को बनाए रखे तथा धार्मिक व पर्यटक स्थलों पर मादक पदार्थो का सेवन न करें। जो कोई भी व्यक्ति धार्मिक व पर्यटक स्थलों में हुड़दंग, गंदगी तथा मादक पदार्थों का सेवन कर लोक शान्ति को प्रभावित करेगा उसके विरूद्ध जनपद पुलिस द्वारा नियमानुसार उचित वैधानिक कार्यवाही की जायेगी।

केदारनाथ धाम यात्रा मार्ग में अपने कार्यो से यात्रियों का दिल जीत रहे पीआरडी जवान

संवाददाता

देहरादून। श्री केदारनाथ धाम यात्रा मार्ग पर ड्यूटी पर तैनात पीआरडी जवानों ने अपने कार्य से यात्रियों का दिल जीत लिया। सरकार ने पहली बार पीआरडी जवानों का दस लाख रूपये तक का बीमा कराया।

आज यहां श्री केदारनाथ धाम यात्रा मार्ग में ड्यूटी के लिए तैनात पीआरडी जवान अपने कार्यों से यात्रियों का दिल जीतने का कार्य कर रहे हैं। राज्य सरकार की ओर से भी पीआरडी जवानों के लिए तमाम व्यवस्थाएं की गई हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशानुसार इन जवानों का पहली बार 10 लाख रुपये तक का बीमा कराया गया है, साथ ही उनके भोजन-पानी की भी प्रशासन के स्तर से बेहतर व्यवस्थाएं की गई हैं। श्री केदारनाथ धाम तक पैदल यात्रा मार्ग को सात पड़ाव में बांटा गया है। हर पड़ाव पर समान्य ड्यूटी के लिए पीआरडी के 06 और रेस्क्यू एवं अन्य कार्यों के लिए डीडीआरएफ के 06 जवान तैनात हैं। इसके अलावा सेक्टर मजिस्ट्रेट अधिकारियों के साथ म्यूल टास्क फोर्स के जवान तैनात हैं जो नियमित रूप से घोड़ा-खच्चर संचालन के लिए बनाए गए नियम-कानूनो का पालन करा रहे हैं। तत्परता से ड्यूटी करने वाले पीआरडी जवानों की सेहत का भी विशेष ध्यान रखा जा रहा है।

इस वर्ष पिछले वर्षों के मुकाबले दोगुने लोगों की ड्यूटी यात्रा मैनेजमेंट में लगायी गई है। जिससे जवान यात्रा में सुगमता से ड्यूटी कर सकें एवं उनकी सेहत भी ठीक रहे। मुख्य विकास अधि कारी जीएस खाती ने बताया कि पिछले वर्षो के मुकाबले दोगुने पीआरडी जवानों की ड्यूटी यात्रा में लगायी गई है। जहाँ पिछले साल यात्रा के दौरान 50 के आसपास ही पीआरडी जवान यात्रा मैनेजमेंट का हिस्सा होते थे तो इस वर्ष 90 से 95 जवानों को यात्रा मैनेजमेंट में लगाया गया है। इससे जवानों की ड्यूटी रोटेशन में लगायी जा रही है ताकि ड्यूटी के दौरान उन्हें आराम मिल सके। इसके अलावा प्रशासन की तरफ से इन्हें राशन भी उपलब्ध करवाया जा रहा है ताकि खाने की कोई समस्या न हो इसकी पूरी जिम्मेदारी जिला आपदा प्रबंधन अधि कारी संभाल रहे हैं। जिला आपदा प्रबंध न अधिकारी नंदन सिंह रजवाड ने बताया कि गौरीकुंड से सभी जवानों के लिए सूखे राशन सहित अन्य अनिवार्य सामान लगातार उपलब्ध कराया जा रहा है। वहीं पहली दफा इन जवानों को 10 लाख रूपए तक का बीमा भी करवाया गया है।

एक नजर

बुर्के की आड़ में कर रही थी शराब तस्करी, गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

नवादा। बुर्के की आड़ में शराब तस्करी करने वाली एक महिला को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसके कब्जे से 30 बोतल अंग्रेजी शराब भी बरामद की गयी है। बता दें कि बिहार में पूर्ण शराबबंदी लागू है, इसके बावजूद शराब कारोबारी शराब तस्करी के नए-नए तरीके अपनाते रहते हैं। हालांकि बिहार पुलिस भी शराब माफिया का पर्दाफाश कर देती है। ऐसा ही मामला नवादा जिले के रजौली चेक पोस्ट पर देखने को मिला, जहां पुलिस की आंखें फटी की फटी रह गईं। दरअसल, रजौली अंतरराज्यीय सीमा स्थित रजौली चेक पोस्ट पर एक महिला शराब तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। जानकारी के अनुसार उत्पाद टीम को महिला तस्कर गिरोह द्वारा बस से शराब की तस्करी करने की सूचना मिली थी। सूचना पर मद्य निषेध अधीक्षक अरुण कुमार मिश्रा द्वारा बस की सख्ती से जांच करने और सघन तलाशी लेने का निर्देश दिया गया था। इसी सिलसिले में जांच टीम ने झारखंड से आ रही श्री सियाराम रथ नामक बस को जांच के लिए चेक पोस्ट पर रोका। सघन तलाशी के दौरान एक महिला जो बुर्का पहने हुई थी, उसे शराब से भरे थैले के साथ गिरफ्तार कर लिया गया। बताया जा रहा है कि गिरफ्तार महिला तस्कर शराब की खेप लेकर कोडरमा से बिहारशरीफ जा रही थी। आरोपी महिला की पहचान नालंदा जिले के बिहारशरीफ थाना क्षेत्र के छज्जू मोहल्ला निवासी मो. इरफान की पत्नी रूबी खातून के तौर पर हुई है। उसके पास से कुल 30 बोतल विदेशी शराब बरामद की गई है। पूछताछ में महिला ने बताया कि वह कोडरमा से शराब लेकर बिहारशरीफ जा रही थी।

कार की टक्कर से मोटरसाईकिल सवार घायल

देहरादून (सं)। कार की चपेट में आकर मोटरसाईकिल सवार गम्भीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार देवबंद सहारनपुर निवासी राजीव कुमार ने डालनवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका बेटा अपनी मोटरसाईकिल से जा रहा था जब वह लैंसडाउन चौक पर पहुंचा तो तेज गति से आ रही वैगनआर कार ने उसको टक्कर मार दी जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गया जिसको आसपास के लोगों ने अस्पताल में भर्ती कराया।

सरकारी वाहन चोरी

देहरादून। चोरों ने प्रशासनिक भवन के बाहर से सरकारी वाहन चोरी कर लिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रबंधन वित्त एवं प्रशासन उपासक ने राजपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उनके उपासक कार्यालय शिल्प इम्पोरियल के गेट के बाहर आईटी पार्क से उनका सरकारी वाहन बुलेरो चोरी कर लिया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्रचंड गर्मी के बीच आग जलाकर तपस्या कर रहे संत की मौत

संभल। उत्तर प्रदेश में बीते काफी दिनों से भीषण गर्मी पड़ रही है। संभल से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। दरअसल, संभल में एक संत प्रचंड गर्मी के दौरान आग के बीच तपस्या कर रहा था, तभी उसकी मौत हो गई। जब संत तपस्या कर रहा था, उस वक्त उसने अपने चारों तरफ आग लगा रखी थी और वह आग के बीच बैठकर तपस्या कर रहा था। हालांकि इससे भी बड़ी चौंकाने वाली बात यह है कि इस तपस्या की अनुमति उस संत को स्थानीय प्रशासन द्वारा दी गई थी। जिस साधु की मौत हुई है उसकी उम्र करीब 70 साल थी। स्थानीय लोगों की मानें तो साधु तीन दिनों से अपनी तपस्या कर रहा था। लेकिन प्रचंड गर्मी के बीच 46 डिग्री तापमान को नहीं सहन कर पाया और संत की तपस्या के दौरान अचानक तबीयत बिगड़ी और उसके कुछ देर बाद उसकी मौत हो गई। जिस संत की मौत हुई है वह अमेठी के रहने वाले थे। वह कमलीवाले पागल बाबा के नाम से जाने जाते थे और कैला देवी थाना के बेनीपुर में पंचाग्नि तपस्या कर रहे थे। संत की ये तपस्या 23 मई को शुरू हुई थी और यह तपस्या 27 मई तक होने वाली थी। लेकिन इसी बीच तपस्या के दौरान उसकी मौत हो गई। स्थानीय लोगों की मानें तो संत ने संभल के सब डिविजनल मजिस्ट्रेट विनय कुमार मिश्रा ने मंजूरी दी थी। उन्होंने घटना के संबंध में जानकारी देते हुए कहा है कि रविवार को संत की तबीयत बिगड़ी थी। इसके बाद संत को ग्रामीण लेकर अस्पताल गए थे, हालांकि डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। बता दें कि में राष्ट्रीय नशा मुक्ति अभियान और विश्व शांति जगत कल्याण के साथी गोरक्षा के लिए संत तपस्या कर रहा था।

आत्मा की उन्नति के लिए एक क्षण व्यर्थ न जाये: आचार्य ममगाई

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। मानव का समय जीविका के लिए दिन निद्रा के लिए रात्रि के साथ व्यर्थ जीवन होता है। भगवान जैसे विषय सुनने के लिए उसके पास आज सुखों की दौड़ में समय नहीं होता। यदि हम अपनी आत्मा की वास्तविक उन्नति चाहते हैं तो जीवन को इस प्रकार ढालना होगा, जिससे सारे कार्य करते हुए एक क्षण का समय नष्ट किये बिना निरंतर भगवान का चिंतन व भागवत सेवा करते रहें जिससे ऐसा अभ्यास हो जाये कि हर समय परमात्मा का स्मरण बना रहे।

उक्त विचार ज्योतीस्पीठ व्यासआचर्य शिव प्रसाद ममगाई ने मोहनपुर प्रेम नगर में डोभाल परिवार द्वारा आयोजित श्रीमद्भागवत कथा में व्यक्त करते किये। उन्होंने कहा कि यह मानव योनि सबसे विकसित तभी समझी जाती है जब इसमें पूर्ण आत्मज्ञान के साथ आध्यात्म ज्ञान की चेतना हो।

प्राकृत जगत की माया शक्ति जीव को इस बात के लिए बाध्य करती है कि इन्द्रिय तृप्ति की अपनी नाना प्रकार की इच्छाओं के कारण यह अपनी देह बदल दे। ये इच्छाएं कीट से लेकर मनुष्य, देवताओं आदि उत्तम देहो तक नाना योनियों में व्यक्त होती है अपने पुण्य व पाप कर्मो के अनुसार जीव नाना प्रकार की योनियों व शरीर धारण करता है।

आचार्य ममगाई ने कहा कि जीव पूर्ण से भिन्न अंश है व पूर्ण कभी नहीं हो सकता। इन्द्रिय भोग मद के कारण ही वह तरह-तरह की योनियों मे भटकता है। अपने जीवन के अस्तित्व काल में किये गये असत्य कर्मो का स्मरण करने के लिए ही उसे देह मिलती है ईश्वर की कृपा रूपी प्रकाश से दूर रहकर जीवन की राह से भटक जाते है उस परमात्मा की कृपा रूपी प्रकाश पाने के बाद सीधा और सरल मार्ग मिलता है। वासना का अंत उपासना से होता है। जिसका जो धर्म प्रभु ने निश्चित किया है उसका पालन करते हुए जो भक्ति करता है उस पर परमात्मा सुखों की वर्षा करते हैं। कितने भक्ति तो करते हैं किन्तु धर्माचरण नहीं करते उनका कोई कर्म परमात्मा नहीं स्वीकारते कथा अंत: करण को पकड़ती है जिससे भव रोग का निवारण हो जाता है इस रोग को मिटाने वाली भवोषधी भगवत कथा है।

इस अवसर पर विशेष रूप से श्रीमती शकुंतला डोभाल, प्रशांत डोभाल, प्रत्युष डोभाल, नवनीत डोभाल, संजीव, सौरभ, महेंद्र प्रसाद नौडियाल, ऋतविक, संचित शर्मा, मानस डोभाल, कार्तिक डोभाल, लावण्या, आचार्य कालिका प्रसाद थपलियाल, भुवनेश्वरी बडोनी, सुरेंद्र नौड़ियाल, सुभाष रतुड़ी, उषा गार्गी, सुलोचना, साधना, इंदु, विजयलक्ष्मी, विमला, मधु, अनुपमा, श्रेया, श्लोका शर्मा, सतीश थपलियाल, आचार्य दामोदर सेमवाल, आचर्य संदीप बहुगुणा, आचर्य सुनील ममगाई, आचार्य हिमांशु मैठाणी, आचार्य अरुण थपलियाल आदि भक्त गण भारी संख्या में उपस्थित रहे।

सालरा गांव में लगी आग

उत्तरकाशी (सं)। मोरी ब्लॉक के सालरा गांव में आग लग गयी। जिलाधिकारी मेहरबान सिंह बिष्ट ने अपर जिलाधिकारी व तेहसीलदार को तत्काल राहत कार्य के लिए मौके पर भेजा। आज यहां मोरी ब्लॉक के सालरा गांव में आग लगने की सूचना है। जिलाधिकारी डॉ. मेहरबान सिंह बिष्ट ने उपजिलाधिकारी पुरोला व तहसीलदार मोरी से घटना के बावत जानकारी प्राप्त करते हुए मौके पर राहत एवं बचाव कार्यों को तेजी से संचालित करने के निर्देश दिए हैं। जिलाधिकारी ने कहा है कि राहत एवं बचाव कार्यों में मदद के लिए हेलीकॉप्टर भेजे जाने हेतु वायु सेना से अनुरोध किया गया है। प्रशासन ग्राम प्रधान सहित अन्य ग्रामीणों से संपर्क बनाए हुए है। ग्राम प्रधान सालरा द्वारा इस सम्बंध में सूचना दिए जाने के तत्काल बाद एसडीआरएफ, पुलिस, राजस्व टीम मौके के लिए रवाना किया गया है। मोरी से अग्निशमन टीम भी घटनास्थल के लिए रवाना की गई है। मेडिकल टीम, वन विभाग व पशु चिकित्सा टीम भी मौके के लिए रवाना की गई है।

महिला के गले से चैन लूटी

देहरादून (सं)। अज्ञात वाहन चालक ने इवनिंग वॉक कर रही महिला के गले से चैन लूट ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार सुमन कालोनी आनन्द नगर बालावाला निवासी कुसुमलता ने रायपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह शाम के समय घूमने के लिए निकली जब वह भूसा स्टोर के पास पहुंची तभी पीछे से आ रहे अज्ञात वाहन चालक ने उसके गले पर झपटा मारकर उसकी चैन लूट ली।

3 अंतर्राज्यीय वाहन चोर दबोचे, आठ बाइक बरामद

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। अंतर्राज्यीय वाहन चोर गिरोह का खुलासा करते हुए पुलिस ने तीन शातिरों को गिरफ्तार कर लिया है। जिनके कब्जे से रुद्रपुर, ट्रांजिट कैम्प, बरेली उत्तर प्रदेश आदि कई स्थानों से चुराई गयी 8 बाइक भी बरामद की गयी है।

जानकारी के अनुसार बीते कुछ दिनों से थाना ट्रांजिट कैंप क्षेत्र में लगातार घट रही बाइक चोरियों की घटनाओं के खुलासे के लिए एक पुलिस टीम का गठन किया गया। बाइक चोरों की तलाश में जुटी पुलिस टीम को बीते रोज सूचना मिली कि उक्त चोरियों में शामिल कुछ लोग क्षेत्र में देखे गये है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने बताये गये स्थान मोदी मैदान थाना ट्रांजिट कैंप के पास से बाइक चोरी गैंग के तीन शातिर चोरो को धर दबोचा गया। जिनके पास से चोरी की दो बाइक भी बरामद की गयी है।

सख्ती से पूछताछ करने पर आरोपियों ने अपना नाम आकाश सिंह पुत्र गिरीश चंद्र निवासी ग्राम फिरमा थाना शाहबाद जिला शाहजहांपुर उत्तर प्रदेश, हाल पता गोल मडैया थाना ट्रांजिट कैंप उधम सिंह नगर, विकास चौहान पुत्र शिव कुमार चौहान निवासी तालीमगंज थाना दाता गंज जिला बदायूं उत्तरप्रदेश, हाल निवासी गोल मड़ैया थाना ट्रांजिट कैंप उधम सिंह नगर व क्षितिज कुमार पुत्र मनोज कुमार निवासी ग्राम मूसेपुर जयसिंह थाना बरखेड़ा जिला पीलीभीत उत्तर प्रदेश, हाल पता खुशी मेडिकल स्टोर के निकट, जनपथ रोड, थाना ट्रांजिट कैंप बताया। पुलिस ने उनकी निशानदेही पर चुरायी गयी अन्य छह बाइक भी बरामद की गयी है। उन्होने बताया कि वह उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के रुद्रपुर, पंतनगर, किच्छा, गदरपुर तथा आसपास के क्षेत्रों में भीड़भाड़ वाले स्थानों में पहले रैकी करने के बाद मोटरसाईकिल चोरी कर लेते थे और उसकी पहचान छिपाने के लिये उसका नंबर प्लेट हटा देते हैं तथा गाड़ियां चोरी कर झाड़ियों में छिपा देते थे तथा माहौल अनुकूल होने पर अपनी मजबूरी बताकर उन्हें जरुरतमंदो को औने पौने दामों में बेच देते थे। बहरहाल पुलिस ने उन्हे सम्बन्धित धाराओं में गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जहां से उन्हे जेल भेज दिया गया है।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।